दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 244
मुरादाबाद
(Friday)
26 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी बोले- गर्व है कि हमने धारा 370 हटाई, सपा-कांग्रेस ने आंबेडकर का अपमान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का बटन दबाकर लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विशाल कांस्य प्रतिमाओं का भी अनावरण किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भाजपा को अछूत माना गया। जबकि हमारी सरकार ने कांग्रेस नेता रहे और पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न देकर सम्मानित किया। मुलायम सिंह यादव को सम्मानित किया। हमारे संस्कार किसी का अपमान करने के नहीं हैं।

हमने सभी को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आज यूपी की पहचान बदल रही है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो चुका है। प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले देश की हर योजना में, किताबों में और हर शहर में एक ही परिवार का गौरवगान किया जाता था। हर अच्छे काम को एक ही परिवार से जोड़ने की सोच रही। सड़क हो या मूर्तियां एक ही परिवार के लोगों की थीं। भाजपा ने देश को एक परिवार पर केंद्रित राजनीति से बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाएं अब कई जगहों पर लगी हुई हैं। दिल्ली के शाही परिवार ने आंबेडकर के योगदान को मिटाने का पाप किया। यही काम प्रदेश में सपा ने भी किया। उन्होंने भी विरासत को मिटाने का काम किया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अटल जी ने सही मायने में सुशासन को जमीन पर उतारा। दशकों तक देश में गरीबी हटाने को ही सुशासन मान लिया गया था। देश में टेलीकॉम सेक्टर के विकास में अटल जी की नीतियां काम आई हैं। अटल जी की सरकार में ही गांव-गांव तक सड़कें पहुंचाने का काम शुरू हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत देश के गांवों में आठ लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ। बीते 11 साल में चार लाख किलोमीटर सड़कों का ग्रामीण क्षेत्रों का निर्माण हुआ।

पूरे देश में एक्सप्रेसवे बनाने का काम चल रहा है। यूपी एक्सप्रेसवे बनाने में नाम कमा रहा है। अटल जी ने ही दिल्ली में मेट्रो की शुरूआत की। मेट्रो नेटवर्क ने लोगों की जिंदगी आसान बना रही है।पीएम मोदी ने जनसंघ नेता दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एकात्म मानववाद का सिद्धांत दिया। आज देश के करोड़ों नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यही तो सच्चा सेकुलरिज्म है। देश के हर नागरिक को सम्मान मिल रहा है। बीते एक दशक में करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया है।लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज लखनऊ को एक नया प्रेरणा स्थल प्राप्त हुआ है। यह हमारे लिए आत्मसम्मान, गौरव और सेवा का प्रतीक है।

यह राष्ट्र प्रेरणा स्थल हमें संदेश देता है कि हमारा हर कदम हर प्रयास राष्ट्रनिर्माण के लिए समर्पित है। सबका प्रयास ही विकसित भारत का निर्माण करेगा। मैं लखनऊ, उत्तर प्रदेश और पूरे देश को राष्ट्र प्रेरणा स्थल की बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि देश में दो विधान दो संविधान नहीं चलेंगे। मुझे खुशी है कि भाजपा सरकार को जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का सौभाग्य मिला और डॉ. मुखर्जी का सपना साकार हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का बटन दबाकर लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विशाल कांस्य प्रतिमाओं का भी अनावरण किया।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम मोदी की नीतियों की वजह से महंगाई दर कम हो रही है। इसी के साथ-साथ विकास दर आठ फीसदी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज मजबूत हुई है। अब भारत कुछ बोलता है तो पूरा विश्व ध्यान से सुनता है कि भारत कह क्या रहा है। पूरे विश्व में भारत की छवि बेहतर हुई है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लखनऊ के सांसद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश को गौरव दिलाने का काम पीएम मोदी कर रहे हैं। उन्होंने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी देखरेख में इतना भव्य प्रेरणा स्थल बनकर तैयार हुआ है। राज्य और केंद्र सरकारें लगातार देश की आम जनता की बेहतरी के काम कर रही हैं। इसी के साथ-साथ वह अतीत में हुए अपने राष्ट्र नायकों को सम्मान भी दे रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी को भारत रत्न देकर इस सरकार ने उन्हें सम्मानित किया है। यह शहर अपने देश की विभूतियों को उनका गौरव और सम्मान देता है।राम चंद्र भगवान और भारत माता के जयकारों के सीएम योगी ने अपना अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने पीएम का अभिनंदन किया। सीएम ने यहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के देश के प्रति योगादानों को याद किया। सीएम ने कहा कि हम सबकी प्रेरणा के रूप में ये राष्ट्र नायक हमारा सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कभी कहा था कि अंधेरा छटेगा कमल खिलेगा की बात कही थी। अब वही होते हुए देख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बरेली-बांदीकुई पैसेंजर का फिर होगा नियमित संचालन, रेलवे ने जारी की समय सारिणी

बरेली से वाया चंदौसी-अलीगढ़ ब्रांच लाइन से गुजरने वाली बरेली-बांदीकुई पैसेंजर का संचालन फिर किया जाएगा। रेलवे ने इसकी समय सारिणी जारी कर दी है। इसके संचालन से यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। कोरोना काल के दौरान मार्च 2020 में बंद की गई 54461-62 बरेली-बांदीकुई पैसेंजर का फिर नियमित संचालन शुरू किया जाएगा। बरेली से वाया चंदौसी-अलीगढ़ ब्रांच लाइन से गुजरने वाली इस गाड़ी के नियमित संचालन की काफी समय से मांग की जा रही थी। रेलवे ने गाड़ी के नियमित संचालन की समय सारिणी तो जारी कर दी है, लेकिन अभी तारीख तय नहीं की है। बरेली-बांदीकुई पैसेंजर 418 किलोमीटर की दूरी 15 घंटे 30 मिनट में तय करेगी। यह गाड़ी रास्ते के 55 स्टेशनों पर ठहराव लेगी। समय सारिणी में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। यह अनारक्षित गाड़ी है और सप्ताह में प्रतिदिन संचालित की जाएगी। जारी समय सारिणी के अनुसार गाड़ी के नंबर में बदलाव किया गया है। 54356 बरेली-बांदीकुई पैसेंजर रात 6.01 बजे बरेली से चलने के बाद चंदौसी, अलीगढ़, मिथावली, एत्मादपुर होते हुए अगले दिन सुबह 5:45 बजे बांदीकुई पहुंचेगी। वापसी में 54355 बांदीकुई-बरेली पैसेंजर दोपहर 2:50 बजे बांदीकुई से चलने के बाद अगले दिन सुबह 6:20 बजे बरेली आएगी। बांदीकुई स्टेशन पर तीन जोड़ी गाड़ियों का ठहरावरेलवे ने बरेली होकर गुजरने वाली 15715/16 अजमेर-किशनगंज गरीब नवाज एक्सप्रेसै।

आकाश आनंद को पिता बनने पर मायावती ने दी बधाई, बेटी को बहुजन मिशन के लिए तैयार करने की इच्छा का किया स्वागत

बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के पिता बनने पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी और उनकी इच्छा का स्वागत किया है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को पिता बनने पर बधाई दी है और कहा कि परिवार में नए सदस्य के आगमन पर सभी खुश हैं। उन्होंने कहा कि इससे भी ज्यादा खुशी की बात है कि आकाश ने बेटी को बहुजन मिशन के लिए तैयार करने की इच्छा जताई है जो कि खुशी की बात है।उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनन्द को पुत्री के रूप में परिवार में नई सदस्य की प्राप्ति पर सभी लोगों में खुशी की लहर है तथा उनके लिये इससे भी ज्यादा हर्ष व गौरव की बात यह है कि आकाश ने अपनी बेटी को माननीय बहनजी की तरह ही बहुजन समाज के मिशन के प्रति समर्पित करने के लिये तैयार करने की इच्छा व्यक्त की है, जिसका भरपूर स्वागत। मां और बेटी दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं।बता दें कि आकाश आनंद को बसपा का उत्तराधिकारी घोषित किया गया है। वो लगातार पार्टी के विस्तार के लिए काम कर रहे हैं।

अरावली पर कितना खतराः कांग्रेस बोली- नई परिभाषा के बाद खतरे में 90% हिस्सा, संरक्षण को लेकर सरकार पर लगाए आरोप

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पहाड़ियों की नई परिभाषा से अरावली क्षेत्र का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो जाएगा, जिससे खनन और अन्य गतिविधियों का खतरा बढ़ेगा। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पहाड़ियों की नई परिभाषा के तहत अरावली पर्वत श्रृंखला का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगा। इससे यहां खनन और अन्य गतिविधियों का रास्ता साफ हो सकता है।कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पर्यावरण के मुद्दे पर पीएम मोदी की %वैश्विक मंचों पर बड़ी बातें% और %जमीनी स्तर पर कार्रवाई% के बीच कोई तालमेल नहीं है। क्या है नई परिभाषा?- नई परिभाषा के अनुसार अरावली पहाड़ी एक ऐसी भू-आकृति है जिसकी ऊंचाई उसके आसपास के भूभाग से कम से कम 100 मीटर अधिक हो और अरावली पर्वतमाला एक दूसरे से 500 मीटर के भीतर स्थित ऐसी दो या दो से अधिक पहाड़ियों का समूह है।

रमेश ने सरकार पर लगाए कई गंभीर आरोप - रमेश ने कहा कि मोदी सरकार अब केवल उन्हीं अरावली पहाड़ियों की रक्षा करने जा रही है, जिनकी ऊंचाई 100 मीटर से अधिक है। भारतीय वन सर्वेक्षण के प्रामाणिक आंकड़ों के अनुसार, अरावली पहाड़ियों का केवल 8.7 प्रतिशत हिस्सा ही 100 मीटर से अधिक ऊंचा है। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इसका मतलब यह है कि अरावली पर्वतमाला के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को नई पुनर्परिभाषा द्वारा संरक्षित नहीं किया जाएगा और इसे खनन, रियल एस्टेट और अन्य गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है जो पहले से ही तबाह हो चुके पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक नुकसान पहुंचाएंगे। इस स्पष्ट और सरल सत्य को छिपाया नहीं जा सकता। रमेश ने कहा कि यह मोदी सरकार द्वारा पारिस्थितिक संतुलन पर किए जा रहे सुनियोजित हमले का एक और उदाहरण है, जिसमें प्रदूषण मानकों में ढील देना, पर्यावरण और वन कानूनों को कमजोर करना, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण और पर्यावरण प्रशासन की अन्य संस्थाओं को शक्तिहीन करना शामिल है। विवाद के बाद सरकार ने राज्यों को किए निर्देश जारी - अरावली पर्वतमाला की पुनर्परिभाषा को लेकर हुए विवाद के बाद, केंद्र ने बुधवार को राज्यों को निर्देश जारी कर पर्वत श्रृंखला के भीतर नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा है। पर्यावरण व वन मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद को पूरे अरावली क्षेत्र में अतिरिक्त क्षेत्रों और जोन की पहचान करने का निर्देश दिया है, जहां केंद्र द्वारा पहले से ही खनन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्रों के अलावा खनन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

ओडिशा में 1.1 करोड़ के इनामी गणेश उइके समेत छह नक्सली ढेर;गृह मंत्री बोले- बड़ी सफलता

ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में सीपीआई (माओवादी) का शीर्ष नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए हैं। यह मुठभेड़ चकापाद थाना क्षेत्र के घने जंगलों में हुई। उइके पर 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर था।ओडिशा के कंधमाल जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए। राज्य में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, यह मुठभेड़ चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। नक्सली पर था 1.1 करोड़ इनाम- मारा गया गणेश उइके (69 वर्ष) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था, जिस पर प्रशासन ने 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था। सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी उपलब्धि-पुलिस ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों मे शामिल था। फिलहाल इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है।गृह मंत्री ने क्या कहा?- सुरक्षा बलों की सफलता पर गृह मंत्री अमित शाह की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा गया नक्सल मुक्त भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि। ओडिशा के कंढमाल में चलाए गए एक बड़े अभियान में केंद्रीय समिति के सदस्य गणेश उइके समेत छह नक्सलियों को मार गिराया गया है।

इस बड़ी सफलता के साथ, ओडिशा नक्सलवाद से पूर्णत: मुक्त होने के कगार पर है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

संपादकीय Editorial

The Patches of the Mandi Four-Lane

Himachal politics may have established strongholds, but the hijacking of willpower has become a permanent misfortune. Whether you try to appease your family or convince your neighbors, the winds will lash every rooftop. Is the conflict between the state and the center, or is it the desire for power that comes to fruition in the electoral game? The Himachal government chose tourism as its capital, and the airport was overjoyed with road transport and air services. Surprisingly, the Kangra Airport expansion is facing a backlash over the disappearance of files in the trunk and the heat of the four-lane project's implementation. We're not saying that travel won't be easy one day, but the locks are silent on the need of the hour. In the ambitious Kangra Airport expansion project, who is marking whose side of the border? They set out to form convoys but forgot the routes. If the airport is a symbol of self-reliance, then who will win by tossing the coin of the center versus Himachal within it? The bad news is that many loopholes remain in the four-lane project's progress. When will the four-lane project depart from Shimla, will it fully open in Kangra, or why is the Kangra journey stuck at the junction of Pathankot and Mandi? The four-lane road between Rajol and Thanpuri has grown so long that the project itself doesn't know when the curtain will be lifted. This means that the four-lane promises between Rajol and Thanpuri, and then Paraur and Padhar, are drowning in uncertainty. If these two sections don't converge, the tourist belt that the Himachal government aspires to turn into its capital will lose all its luster. Is it the desperation or the mere execution of projects that turns every dream and possibility into a mere sandcastle? Mataur Chowk is a graveyard of transportation, where hours of death pass by every day. Where travel mourns its tragedy, and the ugly truth of traffic jams, like witches, comes daily to haunt us. In such a situation, buses laden with tourists lament their helplessness, or the vigilant police are left with no choice or solution. If cities like Kangra, Dharamshala, or Palampur are supposed to be the tourism capital, Gadkari's Surface Roads Ministry is dividing them instead of connecting them. Meanwhile, even when Congress tried to pressure Priyanka Gandhi in Parliament, she remained focused on the Parwanoo-Shimla four-lane road, concerned about the well-being of her family. Anurag also came, but left after inquiring about cricket. In Palampur, where former Chief Minister Shanta Kumar wants to establish a political base for the BJP before the elections, the narrow road from Paraur to Padhar is a curse on his own central government. When will this four-lane project reach the hearts of the people, and when will Shanta's political hunger shift from her rhetoric to this road? Ultimately, these complaints will surround the local BJP leaders. Is Kangra's status weak, or is this simply a void in the minds of its leaders? Surprisingly, those who have formed state governments and repeatedly brought glory to the BJP seem to lack Kangra's share in central government projects. Questions about the four-lane project emerging between Rajol and Thanpuri and Paraur and Padhar will be addressed to Shanta, Jairam, MP Rajiv Bhardwaj, Anurag Thakur, and all the BJP leaders from Mandi and Kangra. Despite the state government's critical stance, the BJP appears unimpressed by the state and intent of the Kangra-Mandi four-lane project.

Replacing MNREGA was necessary, Ji Ram Ji, change is the law of life.

The Ji Ram Ji Act demonstrates our commitment to elevate employment and rural development to new heights by expanding the employment guarantee, strengthening financial discipline, ensuring faster payments, integrating work with agricultural cycles, and shifting the focus from short-term relief to sustainable rural development. The Ji Ram Ji Act will replace MNREGA, guaranteeing 125 days of employment. Emphasis is placed on building durable assets. According to Indian philosophy, change is the only constant. Famous American President John F. Kennedy also said, "Change is the law of life. Those who look only to the past or the present are sure to miss the future." Keeping in mind the needs, aspirations, and goals of a developed India in the rapidly changing 21st century, the Modi government has enacted the "Developed India: Ji Ram Ji-2025" (Developed India Guarantee for Employment and Livelihoods Mission, Rural). Every long-term policy needs to be reviewed and evaluated every 15-20 years. In this time, families, society, and the country witness the transformation of an entire generation. Each new generation brings with it new needs and aspirations. Current Indian society embraces millennials, Gen Z, and Gen Alpha. In the past 15 years, we have transitioned from a pen-and-paper world to the digital age and AI. Adapting old long-term plans to the new, modern environment is essential. For these reasons, the Modi government introduced the "VB: Ji Ram Ji" law, replacing the "NREGA" (renamed "MNREGA" in 2009), which had been in effect since 2005. Since independence, various schemes have been modified to meet changing needs. In the 1960s, the then government initiated rural employment schemes and implemented the "Rural Manpower Programme." Various governments have periodically revised these schemes to meet the demands of the times. As a result, the National Rural Employment Program, the Rural Landless Employment Guarantee Program (Jawahar Rozgar Yojana, 1993), the Sampoorna Grameen Rozgar Yojana, and the Employment Assurance Scheme were implemented in the country. The National Rural Employment Guarantee Act (NREGA) was launched in 2005. In 2009, Mahatma Gandhi's name was added to it, changing it from "NREGA" to "MNREGA." In the new and rapidly changing economic, social, and technological landscape, MNREGA was failing to prove itself effective. Corruption was rampant within it. Furthermore, MNREGA was limited to a welfare and poverty alleviation law, while today's rural youth are determined to realize the dream of a "Developed India 2047." The G Ramji Bill was introduced with all this in mind. The G Ramji Act's most significant feature is its coordination with agricultural cycles and guarantees increased employment. While MNREGA only guaranteed 100 days of wages, the G Ram Ji Act guarantees rural families 125 days of employment instead of 100. Furthermore, to ensure coordination between workers and farmers, workers are provided with 60 days of leave during harvest and sowing, ensuring they also receive agricultural employment. This, combined with agricultural employment, allows workers to obtain a total of 185 days of employment. MNREGA has been criticized for being limited to short-term relief or the creation of less durable assets. Programs without established standards have led to the misuse of resources, preventing the expected benefits and rural development. More than ?10 lakh crore has been spent on MNREGA so far, but the infrastructure remains unseen. Addressing this shortcoming, the G Ram Ji Act emphasizes the creation of durable assets to ensure sustainable development. Four distinct categories of work have been identified: water conservation, infrastructure, livelihoods, and natural disaster relief. The new law limits expenditures to 50 percent instead of 40 percent for construction materials. These decisions will be decided not by those in Delhi, but by a "Gram Samiti" at the local level. Delays in wage payments were a major problem under MNREGA, causing distress to the working class. Under G Ram Ji, weekly or fortnightly wage payments will be mandatory. Digital wage payments will eliminate the possibility of corruption. There have been numerous media reports that contractors in some states were benefited by MNREGA. G Ram Ji provides for biometric attendance, geo-tagging of assets, and the use of a real-time dashboard. This will certainly reduce corruption and fake beneficiaries. Furthermore, like MNREGA, G Ram Ji also continues the unemployment allowance provisions for workers who do not find work on time and balances rights-based entitlements with administrative efficiency. Another shortcoming of MNREGA was the relatively poor coordination between the central and state governments and the lack of accountability among the states. In the new scheme, the central government will contribute 90 percent of the budget in hilly and northeastern states, while states will contribute only 10 percent. The central government will contribute 60 percent to the remaining states. According to political-psychological assessments, when one's own money is invested, the quality of work is certainly improved. Part of the opposition's protest is the question of why the new law is named after "Ram." There's a tradition in the country of naming new schemes and programs. The name "Ramji" doesn't disrespect Gandhiji. Because the new name itself is based on Lord Ram, Gandhi's idol. The Ramji law demonstrates our resolve to take employment and rural development to new heights by expanding employment guarantees, strengthening financial discipline, ensuring faster payments, aligning work with agricultural cycles, and shifting the focus from short-term relief to sustainable rural development.

In a society that embraces distortions, newlyweds face dowry harassment.

Not only should the effective appointment of dowry prohibition officers be ensured in all states, but they should also be sensitized by widely disseminating information such as their names, phone numbers, and email addresses at the local level. Women and child welfare officers, as well as police and judicial officers, should be trained to comprehensively understand the socio-psychological aspects of dowry deaths and cruelty cases and to distinguish between genuine cases and those that are false or exploitative. It is said that social evils have no religion and violence has no caste. These statements were proven true again when the Supreme Court recently demonstrated sensitivity and attempted to bridge the deep gap between constitutional equality and social inequality. In its recent decision in Ajmal Beg v. State of Uttar Pradesh, the Supreme Court made it clear that social problems never end; rather, they are obscured by the dust of time, and we often get caught up in discussing other issues, considering them contemporary and pressing. The Dowry Prohibition Act came into force in 1961 after a long struggle, and the crime of dowry death was included in the Indian Penal Code 25 years later (in 1986). In recent times, discussions about the misuse of the Dowry Prohibition Act by some women have gained so much momentum that we have forgotten that even today, newlyweds face dowry harassment. In this case, the Court, on the one hand, referred to the tradition of marrying into families of higher status than one's own, and on the other, sought to highlight that young women often pay the price with their lives. The court also stated that the burning of a woman to death in a Muslim community where dowry is not a norm, and where the practice of "mehr" is prevalent, proves that our society is one that embraces distortions. We constantly deviate from ideals. Evidence of the lack of equality in legal provisions and social thinking is evident every time. When the country's lawmakers believed that if we recognized women as equals from birth and made them equal partners in ancestral property, the dowry problem would automatically disappear, this did not happen. To preserve family ties, women are forced to give affidavits stating that they will not demand their rights to ancestral property, or, if they do, their families will voluntarily refuse to grant them this right, and they will have to fight for their rights all the way to the Supreme Court. Society is still unwilling to grant full equality to half the population. Therefore, dowry demands persist, and cases of murder of newlyweds also occur. Society doesn't stop there; when a woman conceives, in many homes, her relatives hope that the child will be a son. While a daughter is still accepted as the first child, the search for a second child begins, often leading to the misuse of laws, which often leads to female foeticide. Perhaps this is why the World Economic Organization has estimated that full gender equality will only be achieved globally by 2150, meaning it will take another 125 years. Will newlywed women continue to be harassed and daughters killed in the womb until then? Even if parents struggle with society and give birth to daughters, will they again fall victim to the horrors of dowry? The Dowry Prohibition Act is a secular act and applies to people of all faiths. This is why the Supreme Court's decision in the Ajmal Beg case has issued several guidelines simultaneously. For example, changes should be made to the school curriculum to eliminate gender stereotypes. From the outset, the message should be conveyed that both parties in a marriage are equal and no one is subservient to the other. Unless this spirit of constitutional equality is translated into social equality, we will not be able to achieve complete justice. Not only should the effective appointment of dowry prohibition officers be ensured in all states, but they should also be sensitized by widely disseminating information such as their names, phone numbers, and email addresses at the local level. Women and child welfare officers, as well as police and judicial officers, should be trained to comprehensively understand the socio-psychological aspects of dowry deaths and cruelty cases and to distinguish between genuine cases and those that are false or exploitative. For this reason, all High Courts have also been directed to review pending cases related to dowry deaths and dowry harassment and take effective steps to expedite their disposal. This means that every family in society should educate their children, provide them with training to make them self-reliant, and lay the foundation for relationships like marriage, anchored in a strong fabric of equality, so that society as a whole receives the message that marriage is a social institution and motherhood a social responsibility. A household cannot run on one wheel; rather, each individual has to fulfill their responsibilities. A well-organized society resides within a well-organized family.

ग्राइंडर से पति के शव के टुकड़े करने का कोई पछतावा नहीं, रूबी ने जेल में किया ये काम; चिंतित दिखा प्रेमी

यूपी के संभल जिले में राहुल हत्याकांड में उसकी पत्नी रुबी और उसका प्रेमी गौरव मुरादाबाद जेल में बंद हैं। रूबी को ग्राइंडर से पति के शव के टुकड़े करना का कोई पछतावा नहीं है। हालांकि प्रेमी गौरव चिंतित दिख रहा है। वह जेल में पूछ रहा कैसे जमानत होगी?संभल के चंदौसी में प्रेमी गौरव के साथ मिलकर पति राहुल की हत्या कर ग्राइंडर से लाश के टुकड़े करने की आरोपी रूबी सलाखों के पीछे तो पहुंच गई लेकिन उसके चेहरे पर न शिकन है और न ही कोई पछतावा दिखा। सूत्रों के मुताबिक, वह मुरादाबाद जेल में पहले दिन सामान्य महिला बंदियों की तरह रही और भर पेट खाना भी खाया और भरपूर नींद ली। हालांकि जेल प्रशासन की ओर से उस पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चंदौसी में पतरौआ रोड पर ईदगाह के पास नाले से 15 दिसंबर को पुलिस को एक धड़ मिला था। कंधे के पास राहुल लिखा था। पुलिस ने संभल समेत आस पड़ोस के जिलों में राहल नाम के लापता युवकों के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की तब पता चला कि चंदौसी के मोहल्ला चुन्नी निवासी महिला रूबी ने अपने पति राहुल की गुमशुदगी कोतवाली में दर्ज कराई थी।उसका पति राहुल 18 नवंबर से लापता था। पुलिस ने रूबी की निगरानी बढ़ा दी। इसी बीच पता चला कि रूबी और गौरव के बीच प्रेम संबंध है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की उन्होंने अपना गुनाह कबूल करते हुए बताया कि उन्होंने ही राहुल की हत्या कर ग्राइंडर से लाश के टुकड़े करने के बाद फेंके थे।सोमवार को पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया जहां से दोनों को मुरादाबाद जिला जेल भेज दिया गया। रूबी को महिला बैरक में रखा गया है। जेल में आने के बाद भी रूबी के तेवर कम नहीं हुए हैं। पहले दिन से ही सामान्य महिला बंदियों की तरह रह रही है।वह भरपेट खाना खा रही है और पूरी नींद ले रही है। हालांकि बंदी गौरव जमानत को लेकर चिंता में है। वह बार-बार अन्य बंदियों से बोल रहा है कि कैसे जमानत होगी। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आलोक सिंह का कहना है कि बंदी रूबी सामान्य महिला बंदियों की तरह रह रही है।कलंकित किया मामा जैसा पवित्र शब्द रूबी और उसके प्रेमी ने ऐसी साजिश रची थी कि कोई शक न कर सके। समाज के सामने दोनों एक दूसरे को भाई-बहन बताते थे। बच्चे उसे मामा कहते थे, लेकिन जब सच सामने आया तो सभी दंग रह गए। शहर में रहकर जूतों का काम करने वाला राहुल, पत्नी रूबी और दो बच्चों के साथ चुन्नी मोहल्ले में रहता था।

पड़ोस में ही रहने वाले गौरव की नजदीकी राहुल से हुई तो उसका घर में आना जाना हो गया। नैनीताल घूमने के दौरान दोनों में नजदीकियां बढ़ीं। पिछले महीने जब राहुल दो दिन तक नजर नहीं आया तो उसके दोनों बच्चों ने मां से पूछा था।गौरव से भी पूछा लेकिन दोनों ने जानकारी से इन्कार किया था। पुलिस द्वारा राहुल हत्याकांड का खुलासा करते हुए रूबी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया तो बच्चों में मां और कथित मामा के खिलाफ नफरत के साथ ही भय पैदा हो गया।इस तरह हत्यारों तक पहुंची पुलिस- कहते हैं कि अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो अपराध करते समय कोई न कोई चूक कर ही देता है। ऐसा ही रूबी और उसके प्रेमी गौरव से भी हुआ।

पहली चूक यह हुई कि शव के कंधे के पास राहुल का नाम लिखा रह गया। इसी से शव की पहचान हुई।इसके अलावा नाले से बरामद धड़ पर जो टीशर्ट थी, उसी टीशर्ट में राहुल का खींचा गया फोटो रूबी के मोबाइल में मिला। इसके बाद जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो रूबी 7 टूट गई और सच उगल दिया।

मुरादाबाद में सर्वाधिक प्रसूताओं की मौतें, कारण अत्यधिक रक्तस्राव, रामपुर-बिजनौर के यह हैं आंकड़े

अप्रैल से नवंबर के बीच मुरादाबाद मंडल के पांच जिलों में 99 प्रसूताओं की जान चली गई। सबसे अधिक 26 मौतें मुरादाबाद में दर्ज की गईं। इसके बाद रामपुर में 23, बिजनौर में 22, अमरोहा में 16 और संभल में 12 मामले सामने आए।प्रसूताओं की मौत के मामले में मुरादाबाद की स्थिति मंडल के अन्य जिलों से खराब है। मातृ मृत्यु निगरानी रिपोर्ट के मुताबिक मंडल के पांच जिलों में अप्रैल से नवंबर 2025 तक कुल 99 माताओं की मौत हुई है। मुरादाबाद में सर्वाधिक 26 महिलाओं ने दम तोड़ा है।रिपोर्ट के अनुसार रामपुर में 23, बिजनौर में 22, अमरोहा में 16 और संभल में 12 मामले मातृ मृत्यु के सामने आए हैं। आंकड़ों के अनुसार अधिकांश मातृ मृत्यु निजी स्वास्थ्य संस्थानों में हुई हैं। मंडल स्तर पर 46 मौतें निजी अस्पतालों में, 32 मौतें इलाज के दौरान ट्रांजिट (एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाते समय) हुईं।15 मौतें घर पर हुईं और छह मौतें सरकारी अस्पतालों में दर्ज की गई हैं।

विभागीय जानकारों का कहना है कि गंभीर जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, बेहतर रेफरल व्यवस्था और उपचार सुविधाओं को और मजबूत करने से मातृ मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी का कहना है कि प्रदेश में मातृ मृत्यु दर के सापेक्ष मुरादाबाद की स्थिति ठीक है। समुदाय आधारित मातृ मृत्यु समीक्षा में कुल 99 मामलों में से 95 की समीक्षा पूरी कर ली गई है। इससे मंडल का औसत समीक्षा प्रतिशत 95.96 प्रतिशत रहा है। अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर और संभल जिलों में 100 प्रतिशत मामलों की समीक्षा पूरी कर ली गई, जबकि बिजनौर में यह आंकड़ा 81.82 प्रतिशत रहा। जिलों के डीएम और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने भी मामलों की समीक्षा की है। अत्यधिक रक्तस्राव सबसे ज्यादा मौतों का कारण - स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में अमरोहा, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर और संभल जिलों में मातृ मृत्यु के प्रमुख कारण सामने आए हैं। इनमें सबसे बड़ा कारण प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव (पीपीएच) रहा है। मुरादाबाद जिले में 26 मातृ मौतों में से पीपीएच के 13 मामले सामने आए। जबकि हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, हाइपरटेंशन और एक्लेम्पसिया जैसे कारणों से भी महिलाओं ने जान गंवाई। रामपुर जिले में भी पीपीएच सबसे बड़ा कारण रहा। इसके अलावा एपीएच, कार्डियक अरेस्ट, कार्डियोजेनिक शॉक, हाइपरटेंशन, सेप्टिक शॉक और गंभीर एनीमिया मौत की वजह बने। बिजनौर के मामलों में पीपीएच, एपीएच, हार्ट अटैक, हाई फीवर, हाइपरटेंशन और ब्रेन कैंसर जैसे कारण शामिल हैं। अमरोहा में पीपीएच के अलावा हार्ट अटैक, सेप्सिस, सेप्टीसीमिया और अन्य कारण पाए गए।

संभल में पीपीएच के पांच, किडनी फेल्योर के दो, हाइपोवोलीमिया, लीवर सिरोसिस के साथ एनीमिया, एक्यूट रीनल फेल्योर, प्रसव में रुकावट और सेप्सिस का एक-एक कारण सामने आया। प्रदेश के ग्राफ की तुलना में मातृ मृत्यु के मामले मुरादाबाद में काफी कम हैं। हमारे जिले की स्थिति इस मामले में ठीक है। हमारी कोशिश है कि जो मामले सामने आए हैं, उनमें भी लगातार कमी लाई जाए। - डॉ. संजीव बेलवाल, डिप्टी सीएमओ

पीतलनगरी से ही पीतल गायब, निर्यात को एल्युमिनियम और लोहे का सहारा, 10 हजार करोड़ का होता है कारोबार

पीतल के दाम लगातार बढ़ने से मुरादाबाद के हस्तशिल्प उद्योग पर असर पड़ा है। निर्यातक अब लागत घटाने के लिए हस्तशिल्प उत्पादों में एल्युमिनियम और लोहे का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके चलते मिश्रित धातुओं, कांच और लकड़ी से बने उत्पादों का चलन बढ़ा है।पीतल के बढ़ते दाम की वजह से धीरे-धीरे इससे बनने वाले हस्तशिल्प उत्पादों का रंग फीका पड़ने लगा है। इसके स्थान पर एल्युमिनियम और लोहे का इस्तेमाल ज्यादा होने लगा है। निर्यातक हस्तशिल्प उत्पाद में 40 प्रतिशत एल्युमिनियम व 40 प्रतिशत लोहे का उपयोग कर रहे हैं। उत्पादों में पीतल की मात्रा 10 प्रतिशत ही बची है। प्रदेश में हस्तशिल्प उत्पाद का निर्यात मुरादाबाद से सबसे ज्यादा किया जाता है।देश में मुरादाबाद पीतलनगरी के नाम से जाना जाता है लेकिन दाम बढ़ने की वजह से पीतल के हस्तशिल्प उत्पाद खत्म होते जा रहे हैं। शहर की दिल्ली रोड, एसईजेड समेत अन्य जगहों के तमाम निर्यातक हस्तशिल्प उत्पादों में एल्युमिनियम और लोहे का इस्तेमाल अधिक करने लगे हैं क्योंकि पीतल की अपेक्षा लोहा और एल्युमिनियम का उत्पाद सस्ता पड़ रहा है।इसके साथ ही कांच व लकड़ी से बने मिश्रित उत्पाद भी ज्यादा बनाए जा रहे हैं। जिले से अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस समेत अन्य देशों में हस्तशिल्प उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। निर्यातकों का कहना है कि एक साल पहले पीतल का दाम 500 रुपये प्रति किलो था लेकिन अब इसकी कीमत 640 से 700 रुपये प्रति किलो हो गई है।

पीतल के दाम में करीब 150 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वहीं एक साल पहले एल्युमिनियम की कीमत 190 रुपये थी लेकिन इस समय इसकी कीमत 230 से 250 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। एल्युमिनियम का दाम भी 100 रुपये से अधिक बढ़ा है।

इसकी वजह से हस्तशिल्प उत्पादों की लागत निकालना मुश्किल हो जा रहा है जबकि लोहे के दाम कोई उतार-चढ़ाव नहीं है। इसलिए पीतल की अपेक्षा एल्युमिनियम और लोहे के हस्तशिल्प उत्पाद की बिक्री बढ़ी है।

पूजा के आइटम ही बनाए जा रहे हैं पीतल के आईआईए हैंडीक्रॉफ्ट्स डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन सुरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस समय अधिकतर पूजा के आइटम ही पीतल के बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा अन्य हस्तशिल्प उत्पादों में नाम मात्र का पीतल इस्तेमाल किया जाता है। अगर ऐसे ही पीतल का दाम बढ़ता रहा तो आने वाले समय में चार से पांच प्रतिशत ही पीतल के उत्पाद बनाए जाएंगे। पीतल के उत्पाद के ऑर्डर बहुत ही कम मिल रहे हैं।

10437 करोड़ रुपये का होता है निर्यात- जिला उद्योग केंद्र के अनुसार मुरादाबाद से हर साल 10437 करोड़ रुपये के हस्तशिल्प उत्पादों का निर्यात किया जाता है। हालांकि अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाने की वजह से इस साल मुरादाबाद का निर्यात 40 प्रतिशत तक घट गया है। निर्यातकों ने बताया कि पीतल के दाम बढ़ने की वजह से इससे बने हस्तशिल्प उत्पाद के ऑर्डर न के बराबर मिल रहे हैं जबकि शीशे और लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद के ऑर्डर मिल रहे हैं। करीब 10 प्रतिशत निर्यातक शीशे और लकड़ी के हस्तशिल्प उत्पाद का निर्यात करते हैं।

10 साल से पीतल के दाम बढ़ रहे हैं। हस्तशिल्प उत्पाद को लेकर चाइना से कंप्टीशन बढ़ गया है। इसलिए पीतल से बनने वाले सामान को एल्युमिनियम और लोहे से बनाया जा रहा है। पीतल की अपेक्षा एल्युमिनियम में लाइटवेट ज्यादा हैं। एल्युमिनियम के सामान पीतल के आधे दाम में बन जा रहे हैं। खरीदार भी इसे खूब पसंद कर रहे हैं। - विभोर गुप्ता, संचालक, डिजाइनको प्राइवेट लिमिटेड

पीतल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। अगस्त में पीतल का दाम 550 रुपये प्रति किलो था जो आज बढ़कर 655 रुपये हो गया है। पीतल के प्रतिदिन दाम बढ़ रहे हैं। पीतल से उत्पाद तैयार कर बेचना काफी मुश्किल हो गया है। पीतल के सामान के ऑर्डर भी कम मिल रहे हैं। मल्टीपर्पज प्रयोग होने वाले पीतल के हस्तशिल्प उत्पाद बायर खरीद रहे हैं। - लक्ष्य अग्रवाल, पार्टनर, जेएमडी इंटरनेशनल

पीतल के दाम पर कोई कंट्रोल नहीं है। हस्तशिल्प उत्पाद के निर्यात को लेकर चाइना समेत अन्य देशों के साथ कंप्टीशन ज्यादा है। बायर चाहते हैं कि उन्हें सस्ते में सामान मिले। पीतल के दाम बढ़ने से हस्तशिल्प उत्पाद में एल्युमिनियम और लोहे का उपयोग करना निर्यातकों की मजबूरी है।

हालांकि जरूरी सामान को पीतल का ही बनाकर निर्यात किया जा रहा है। -विकास अग्रवाल, वाइस प्रेसिडेंट, मुरादाबाद एसईजेड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन

पाउडर कोटिंग और पीयू फिनिश के बाद बेस मेटल का अंतर लगभग समाप्त हो जाता है। वहीं, लागत के स्तर पर पीतल और वैकल्पिक धातुओं के बीच 50 प्रतिशत से अधिक का अंतर है। चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाजार की मूल्य संवेदनशील परिस्थितियों ने निर्यातकों को एल्युमिनियम, लोहा और फ्यूजन मैटेरियल की ओर बढ़ने के लिए विवश किया है। -जेपी सिंह, चेयरमैन, यंग एंटरप्रेन्योर सोसायटी (यस)

संक्षिप्त समाचार

जमीन के विवाद में फायरिंग, कांग्रेस नेता सचिन चौधरी गिरफ्तार, रिश्तेदारों के साथ हुआ झगड़ा

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी को मारपीट मामले में गिरफ्तार किया गया है। जमीन की जोताई को लेकर रिश्तेदारों से विवाद हो गया था। पुलिस ने कई धाराओं में केस दर्ज किया है।भोजपुर थानाक्षेत्र के आंवला घाट में बुधवार की दोपहर करीब पौने तीन बजे कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी ने अपने गार्ड के साथ मिलकर साले-बहनोई पर फायरिंग कर दी। साले-बहनोई ने भागकर अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचना दे दी।पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सचिन चौधरी और उनके गार्ड अत्यंत सिंह को हिरासत में ले लिया और रायफल बरामद कर ली। पुलिस ने जानलेवा हमले में प्राथमिकी दर्ज कर सचिन चौधरी और अत्यंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।भोजपुर थानाक्षेत्र के जैतपुर निवासी कुलदीप सिंह ने बताया कि उनके बहनोई अमरोहा के कालाखेड़ा निवासी पवन कुमार और पाकबड़ा के सुपरटेक कॉलोनी निवासी एवं कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव सचिन चौधरी ने दिल्ली निवासी कारोबारी की आंवला घाट स्थित 156 बीघा जमीन खरीदी थी। कुलदीप का आरोप है कि जमीन खरीदने के कुछ दिन बाद ही सचिन चौधरी ने पूरी जमीन को अपना बताना शुरू कर दिया था। इस मामले की शिकायत पुलिस प्रशासन के पास तक पहुंची तो जमीन की पैमाइश करा दी गई थी। कुलदीप का दावा है कि पवन को 78 बीघा और सचिन को 78 बीघा जमीन दे दी गई थी। बुधवार को कुलदीप सिंह और पवन कुमार जमीन की जोताई कराने गए थे। इसी जानकारी मिलने पर सचिन चौधरी अपने गार्ड रामपुर के शाहबाद थानाक्षेत्र के मंगोली निवासी अत्यंत सिंह के साथ पहुंच गए। उन्होंने जोताई का विरोध शुरू कर दिया और कुलदीप और पवन के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। साले-बहनोई के विरोध करने पर सचिन ने अपने गार्ड की रायफल से फायरिंग शुरू कर दी। कुलदीप और पवन अपनी जान बचाने को मौके से भाग निकले और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह फोर्स लेकर मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने सचिन चौधरी और अत्यंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर जानलेवा हमला और अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बृहस्पतिवार को आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

निर्दोष को भेजा जेल: तत्कालीन सीओ समेत 13 पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट के आदेश

चंदौसी में दूधिये से हुई लूट के मामले में जांच में अनियमितता पाए जाने पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने तत्कालीन सीओ, थाना प्रभारी समेत 13 पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके अलावा तीन दिन में जांच रिपोर्ट देने को कहा है।चंदौसी थाना बहजोई क्षेत्र में वर्ष 2022 में दूधिये के साथ हुई लूट के खुलासे में अनियमितता बरतने पर अदालत ने तत्कालीन सीओ, थाना प्रभारी समेत 13 पुलिस कर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने और तीन दिन में सूचना कोर्ट में प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं।25 अप्रैल 2022 को दुर्वेश निवासी ग्राम अर्जुनपुर जूना थाना बहजोई अपने गांव से दूध लेकर बहजोई आया था। दोपहर करीब एक बजे दूध का भुगतान एक लाख रुपये लेकर अपने गांव वापस जा रहा था। बाइक सवार दो व्यक्ति उसकी बाइक में लटका रुपयों से भरा थैला लूटकर ले गए।इस मामले में थाना बहजोई पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली। जिसकी विवेचना तत्कालीन एसएचओ पंकज लवानिया ने की। कुछ समय बाद विवेचना तत्कालीन निरीक्षक अपराध राहुल चौहान को सौंप दी गई। अदालत ने माना कि एक षडयंत्र के तहत पुलिस ने लूट की घटना में ओमवीर को शामिल दिखाकर चालान कर जेल भेज दिया गया। पीड़ित ओमवीर ने अदालत को बताया कि वह 11 अप्रैल 2022 से 12 मई 2022 तक जिला कारागार बदायूं में निरुद्ध था। वह 12 मई 2022 को जेल से बाहर आया। इस मामले में पुलिस ने 12 जुलाई 2022 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। स्पष्ट है कि जब वह जिला कारागार बदायूं में बंद था, तब उक्त घटना को कैसे कारित कर सकता था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

इंस्पेक्टर को धमकाने का आरोपी तौफीक प्रधान हवालात से लंगड़ाते निकला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। खुद को बसपा नेता बताकर इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय को फोन कॉल पर धमकाने के आरोपी हिस्ट्रीशीटर तौफीक प्रधान को बारादरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तमंचा-कारतूस की बरामदगी कर पुलिस ने उसकी कायदे से खबर ली। हवालात से लंगड़ाते निकले तौफीक का चालान कर दिया गया।

तौफीक प्रधान फतेहगंज पूर्वी से आकर शहर के बारादरी इलाके की पशुपति विहार कॉलोनी में बस गया है। उसने हाल ही में बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय को फोन कॉल पर हड़काने की कोशिश की थी। इसकी रिकॉर्डिंग भी वायरल हुई थी। बताते हैं कि तकरार का ऑडियो खुद तौफीक ने ही वायरल किया था। इसके बाद बुधवार को बारादरी पुलिस ने तौफीक प्रधान को तमंचे समेत गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने उसका लंगड़ाते हुए वीडियो जारी किया।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि पशुपति विहार में पुलिस गश्त कर रही थी, तभी तौफीक प्रधान अलाव सेंकते मिला। पूछताछ करने पर वह अभद्रता करने लगा। तलाशी में उसके पास से तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर तौफीक का चालान कर दिया गया। तौफीक फतेहगंज पूर्वी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। वह कई बार जेल जा चुका है।

तौफीक ने इंस्पेक्टर के साथ हुई झड़प के ऑडियो का इस्तेमाल कर वीडियो बनाया और इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिया। तौफीक की इंस्टाग्राम आईडी पर एक और वीडियो डाला गया है। इसमें डायलॉग लगा है कि होगा पावरफुल...हमने बड़ों-बड़ों के पावर ढीले कर दिए। कमिश्नर इस इलाके में एक ही आदमी पावरफुल है। तौफीक की वीडियो वायरल हो रही हैं ।

बरेली में क्रिसमस महोत्सव में नृत्य-नाटिका, कैरल्स , विशेष बच्चों की प्रस्तुति ने जीत लिया सबका दिल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी अलग पहचान बनाने वाला क्रिसमस महोत्सव न सिर्फ बरेली बल्कि आसपास के जिलों और उत्तराखंड के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता चला आ रहा है। अति मान्यवर बिशप डॉ इग्नीशियस डिसूजा के मार्गदर्शन और मान्य फादर रॉयल एन्थनी की कड़ी मेहनत और डाईसेज के अन्य फादर्स के परिश्रम से यह क्रिसमस महोत्सव हर वर्ष अपने में नयापन लाता है।

कैंट क्षेत्र स्थित बिशप कॉनराड जूनियर विंग स्थित सेंट अल्फोंसस चर्च में दो दिवसीय क्रिसमस महोत्सव शुरू हो गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह, बरेली कन्टोन्मेंट बोर्ड की सीईओ डॉ तनु जैन, उमेश गौतम मेयर बरेली और धर्माध्यक्ष कैथोलिक धर्म प्रांत बरेली अति मान्यवर डॉ. इग्नेशियस डिसूजा, इस क्रिसमस महोत्सव के मुख्यातिथि रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य और स्कूल्स ऑफ़ कैथोलिक डाईसेज के शिक्षा निदेशक फादर रॉयल एंथोनी के नृत्यनाटिका आशा के तीर्थयात्री और मिरिकिल ने लोगों को अपनी और आकर्षित किया। कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, नाटक प्रस्तुत किए गए, जो प्रभु यीशु की महिमा, दुनिया भर में शांति आदि पर आधारित थे। उत्सव में बच्चों ने क्रिसमस कैरल्स से वातावरण को संगीतमय औरभक्तिमय बना दिया।

उम्मीद (एक नया सवेरा), भगवान की महिमा, बालिका-सशक्तिकरण, बदलाव की शुरुआत मुझसे, शिक्षा के साथ सशक्त होना, कल्याण ही समृद्धि है, युवा-नैतिकता, महिला विश्व कप, प्रभु यीशु के चमत्कार, भूख धरती की सबसे ऊंची और गहरी खामोशी है आदि की प्रस्तुतियों के जरिये समाज को दया, करुणा, शान्ति, प्रेम, शिक्षा और समानता की प्रेरणा दी गई। वही मदर टेरेसा मेमोरियल स्कूल फ़ॉर विजुअल एंड हियरिंग इम्पयरेड चिल्ड्रेन की प्राचार्य सिस्टर रीना के संकेतों पर विशेष बच्चों के नृत्य ने लोगों का मन मोह लिया। इन बच्चों के द्वारा संकेतों से गाय गए भाव-भंगिमा युक्त राष्ट्रगान से महोत्सव का समापन हुआ। परंपरा को आधुनिकता की आवश्यकता, आशा व जीवन-रक्षा, दुनियाभर में शान्ति, भारत में महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन आदि पर कई स्कूलों के बच्चों की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहीं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने चर्च के बाहर किया हनुमान चालीसा का पाठ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार रात सेंट अल्फोंसा चर्च के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बजरंग दल की ओर से पुलिस को ज्ञापन सौंपा गया।

बरेली में शिक्षा, सुशासन और राष्ट्रवाद पर हुई विचार गोष्ठी , मालवीय,अटल के जीवन पर चर्चा की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जीआईसी ऑडिटोरियम में गुरुवार को शिक्षा, सुशासन और राष्ट्रवाद विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जीवन पर लोगों ने विचार रखे। वक्ताओं ने आज के समय में शिक्षा को संस्कृति से जोड़ने पर बल दिया। कहा कि भारतीय मूल्य पर आधारित शिक्षा ही सुशासन को लाएगी और यही लोगों के अंदर राष्ट्रवाद का जज्बा पैदा करेगी।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना के सदस्यों द्वारा तुलसी माता की पूजा अर्चना की गई

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ हिंदू मान्यता के अनुसार तुलसी पूजन दिवस पर तुलसी माता की विधि-विधान से पूजा करने पर भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी की कृपा एवं सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है एवं नकारात्मकता दूर होती है. इसी क्रम में आज बरेली जिले के थाना भुता क्षेत्र की ग्राम पंचायत भगनापुर में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना के सदस्यों द्वारा तुलसी माता की पूजा अर्चना की गई। तुलसी पूजन कार्यक्रम का संचालन अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना के जिलाध्यक्ष अजय पटेल द्वारा तुलसी माता को चुनरी ओढ़ाकर किया गया, इस अवसर पर रोहिलखंड मंडल अध्यक्ष हरेंद्र सिंह पटेल, ग्राम प्रधान अमित पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष कमल किशोर, ब्लॉक उपाध्यक्ष योगेश कुमार, ब्लॉक मंत्री राजबाबू, विमल, प्रिंस कुमार शर्मा,संजय कुमार, रचित गंगवार, मनोज कुमार, सुरजीत कुमार सहित ग्राम पंचायत वासी उपस्थित रहे।

दो बहनों ने खाया जहरीला पदार्थ, इलाज के दौरान हुई मौत; कुत्ते की बीमारी के चलते थीं तनाव में

लखनऊ के पारा इलाके में दो सगी बहनों ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक दोनों बहनों मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थीं। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र के जलालपुर दौदाखेड़ा कॉलोनी में बुधवार को दो सगी बहनों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। परिजन दोनों को आनन-फानन में पास के रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान देर रात दोनों बहनों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया।इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के अनुसार मृतक बहनों की पहचान राधा (25) और जिया उर्फ शानू (22) के रूप में हुई है। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि दोनों बहनें मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और बीते कई दिनों से डिप्रेशन में चल रही थीं। परिजनों के मुताबिक घर में पाले गए कुत्ते की हालत लगातार खराब रहने के कारण दोनों बहनें काफी तनाव में थीं और इसी वजह से मानसिक रूप से और ज्यादा परेशान रहने लगी थीं। बुधवार दोपहर अचानक दोनों बहनों ने जहरीला पदार्थ खा लिया और माँ को आवाज लगाकर जानकारी दी,कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजनों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि वहां इलाज के दौरान देर रात दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। परिवार में माता गुलाबा देवी, पिता कैलाश चौहान और एकलौता भाई नीरज है। एक साथ दो बेटियों की मौत से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

बहुत ही आनंद मय एवं भव्यमय हुआ तुलसी पूजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। तुलसी पूजन दिवस परम पूज्य संत आशाराम बापू की पावन प्रेरणा से बरेली शहर में बड़े ही उल्लास के साथ संपन्न हुआ। पूज्य बापू द्वारा यह तुलसी पूजन का कार्यकम 2014 से पूरे विश्व में हो रहा है।

तुलसी पूजन दुनिया भर में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में यह कार्यक्रम सिविल लाईन पैट्रोल पंप के सामने मेन रोड पर सम्पन हुआ इस कार्यकम में पूज्य संत आशाराम बापू के द्धारा संचालित महिला उत्थान मडंल बरेली, युवा सेवा संघ बरेली,श्री योग वेंदात सेवा समिती बरेली, बाल संस्कार विभाग बरेली व पूज्य गुरूदेव से मंत्र दीक्षित हजारो साधको के द्धारा सम्पन हुआ। कार्यकम मेन रोड रोड से चलते हुए हजारो सनातनियो ने तुलसी माता का पूजन परिक्रमा आरती की और तुलसी मैया का आशीर्वाद प्राप्त किया । बरेली आश्रम संचालक भानु प्रकाश ने सभी साधकों का सहयोग के लिया सभी का आभार व्यक्त किया ।

लल्ला गद्दी माफिया घोषित, अशरफ के करीबी की अब कड़ी निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस ने माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के साले सद्दाम के करीबी मोहम्मद रजा उर्फ लल्ला गद्दी को माफिया घोषित कर दिया है।

लल्ला गद्दी पर कई गंभीर आपराधिक मुकदमे अलग अलग थानों में दर्ज हैं। प्रशासन ने उसकी बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार बारादरी न चक महमूद नगर, काकर टोला निवासी मोहम्मद रजा उर्फ लल्ला गद्दी पुत्र अहमद अली पर आर्थिक और भौतिक लाभ के लिए मारपीट, गाली-गलौज और रंगदारी की मांग और हत्या जैसे मुकदमे दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक बिथरी चैनपुर की आख्या के आधार पर लल्ला गद्दी को जनपद स्तर पर माफिया चिन्हिकरण संख्या म-15/2025 के तहत दर्ज किया गया है। थाना बिथरी चैनपुर में उसे 'अपराध माफिया' की श्रेणी में रखते हुए उसकी गतिविधियों पर चौबीसों घंटे निगरानी के निर्देश जारी किए गए हैं। एसएसपी अनुराग आर्य का कहना है कि माफिया घोषित होने के बाद उसकी संपत्ति, आर्थिक स्रोतों और नेटवर्क की भी गहन जांच की जाएगी।

सुशासन दिवस पर याद किए गए भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई, गरीबों में बांटे गए कंबल रजाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सुशासन दिवस पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के शताब्दी वर्ष पर जन्मदिन के मौके पर फ्लावर शो प्रकृति के सौंदर्य से रूबरू हुए बरेली यंश साथ ही समाज रत्न सम्मान से सम्मानित हुए समाजसेवी और निर्धनों को सर्दी के बचाव में रजाई कंबल बांटे गए

थाना इज्जतनगर क्षेत्र स्थित खण्डेलवाल कॉलेज में वृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेई को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया।

कॉलेज परिसर को आस-पास के गांवों से तीन सौ दिव्यांग, कमजोर ग्रामीणों को सर्दी से बचने के लिए रजाई कंबल बांटकर , भोजन भी करवाया।

इस मौके संस्था के अध्यक्ष गिरधर गोपाल के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। गिरधर गोपाल ने बताया कि संस्था पिछले 24 वर्षों से यह लगातार कार्य कर रही है।

कार्यक्रम से हम समाज में विद्यार्थियों के लिए समाज सेवा करने की प्रेरणा में जागरूकता बढ़ाते हैं ,

हरे भरे परिसर में लगी पुष्प प्रदर्शनी के माध्यम से जनमानस व विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम व जागरूकता बढ़ाते हैं। इस दौरान फ्लावर शो में प्रकृति से रूबरू हुए ,लोगों ने बर्फीले मौसम में प्रकृति के सौन्दर्य का फूलों के साथ और सेवा करके दिन बिताया। इस मौके पर प्रमुख अतिथियों में डॉ अरुण कुमार वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश एवं अति विशिष्ट अतिथि अपर जिलाधिकारी संतोष कुमार, संजीव अग्रवाल विधायक कैंट, रश्मि पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष, प्रतिष्ठित समाजसेवी मौजूद रहे। संस्था की ओर से अतिथियों का स्वागत चेयरमैन गिरधर गोपाल प्रबंध निदेशक डॉ विनय खण्डेलवाल, महानिदेशक डॉ. अमरेश कुमार, प्राचार्य डॉ. आर.के. सिंह देवेंद्र खण्डेलवाल इंजीनियर प्रेम प्रकाश गुप्ता आदि शामिल रहे।

एक ही परिवार के सात लोगों को उम्रकैद, जमीन के विवाद में की थी किसान की हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट संख्या तीन) अभि श्रीवास्तव ने शीशगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर निवासी किसान सुरेंद्र पाल सिंह की हत्या में दोषी उनके तहेरे भाई सुखदेव, वेद प्रकाश समेत एक ही परिवार के सात लोगों को आजीवन कारावास और 55-55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जमीन को लेकर चल रहे विवाद में 19 मई 2021 को दावत से लौटते वक्त सरेशाम कुल्हाड़ी और हथौड़े से हमला कर सुरेंद्र की हत्या कर दी गई थी।

जसपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके चाचा सुरेंद्र 19 मई 2021 को शाम छह बजे गांव के थान सिंह राजपूत के घर से दावत खाकर लौट रहे थे। रास्ते में सुरेंद्र के तहेरे भाई सुखदेव, वेद प्रकाश, धर्मेंद्र, मुनेंद्र, जितेंद्र (तीनों वेद प्रकाश के बेटे), सुखदेव के बेटे रवि व संजीव ने उनको रास्ते में घेर लिया। सुरेंद्र पर तलवार, कुल्हाड़ी, हथौड़े से हमला कर दिया और फायरिंग करते हुए भाग गए। परिजन सुरेंद्र को शेरगढ़ सीएचसी ले गए। वहां से जिला अस्पताल ले जाते समय सुरेंद्र की रास्ते में मौत हो गई। जसपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके चाचा सुरेंद्र 19 मई 2021 को शाम छह बजे गांव के थान सिंह राजपूत के घर से दावत खाकर लौट रहे थे। रास्ते में सुरेंद्र के तहेरे भाई सुखदेव, वेद प्रकाश, धर्मेंद्र, मुनेंद्र, जितेंद्र (तीनों वेद प्रकाश के बेटे), सुखदेव के बेटे रवि व संजीव ने उनको रास्ते में घेर लिया। सुरेंद्र पर तलवार, कुल्हाड़ी, हथौड़े से हमला कर दिया और फायरिंग करते हुए भाग गए। परिजन सुरेंद्र को शेरगढ़ सीएचसी ले गए। वहां से जिला अस्पताल ले जाते समय सुरेंद्र की रास्ते में मौत हो गई।

विवेचना के बाद पुलिस ने 17 अगस्त 2021 को चार्जशीट दाखिल कर दी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 11 गवाह पेश किए। सुनवाई पूरी करने के बाद कोर्ट ने 18 दिसंबर को सुखदेव, वेदप्रकाश, धर्मेंद्र, मुनेंद्र और जितेंद्र को दोषी करार दिया था। रवि और संजीव कोर्ट में पेश नहीं हुए तो दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया। 22 दिसंबर को पुलिस ने गिरफ्तार कर दोनों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने रवि और संजीव को भी दोषी करार दिया। कोर्ट ने बुधवार को सातों दोषियों को उम्रकैद और 55-55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

चार बीघा जमीन पर 20 साल से थी रार- चार बीघा जमीन को लेकर सुरेंद्र और सुखदेव के बीच 20 साल से ठनी थी। कई बार मारपीट भी हुई। पांच मुकदमे भी लिखे गए, लेकिन विवाद सुरेंद्र की मौत के बाद भी नहीं निपटा। सुरेंद्र की हत्या का दोषी उसका तहेरा भाई सुखदेव पेशे से वकील है। सुरेंद्र की किच्छा नदी के पास चार बीघा जमीन थी। नदी की धारा बदलने पर यह जमीन बाहर आ गई। सुरेंद्र के तहेरे भाई सुखदेव ने उस पर कब्जा कर लिया। कुछ अन्य लोगों की जमीन भी उसने जोत ली थी। सुखदेव वकालत के पेशे से जुड़ा था। ऐसे में सुरेंद्र की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने देता था।

सुरेंद्र और उसके भाई महेंद्र ने बार काउंसिल ऑफ यूपी में सुखदेव का रजिस्ट्रेशन निरस्त करने की मांग भी की थी। अन्य लोग भी सुखदेव की शिकायत करते रहे। इस दौरान वर्ष 1997, 2007, 2010, 2020 और 2021 में दोनों पक्षों में संघर्ष के बाद मुकदमे दर्ज हुए। गांव के सात अन्य लोगों की जमीन भी सुखदेव जोत रहा था। ये लोग भी शिकायतें कर रहे थे। इसके बावजूद सुखदेव के रसूख के चलते उनकी जमीन कब्जा मुक्त नहीं हो सकी। इसी विवाद में सुरेंद्र की हत्या कर दी गई।

मिशन ग्लोबल अकैडमी सिंधौरा रिछा में वार्षिक समारोह में विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं का प्रदर्शन कर हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / देवरनिया। मिशन ग्लोबल अकैडमी सिंधोरा रिछा में बुधवार को वार्षिक समारोह बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया।जिसमें छात्र/छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि रिछा चेयरपर्सन कैसर जहां,बहेड़ी चेयरपर्सन रश्मि जायसवाल एवं दमखोदा ब्लॉक प्रमुख स्नेहलता गंगवार तथा विद्यालय संरक्षक आर के सक्सेना के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह की शुरुआत छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से की। स्वागत गीत के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर छात्र एवं छात्राओं ने नृत्य प्रोग्राम एवं लघु नाटकों की प्रस्तुति की। जिसमें बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्कूल नहीं जाना, चल जीते हैं हम,चले हवाएं, लेजी डांस, कल्चरल डांस, इंग्लिश नाटिका %सक्सेस% एवं कसौटी जिंदगी की अत्यंत सराहनीय रहीं।मुख्य अतिथि दमखोदा ब्लॉक प्रमुख श्रीमती स्नेहलता गंगवार ने बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के गुरु मंत्र बताए। चेयरपर्सन श्रीमती रश्मि जायसवाल ने बच्चों को अपने माता-पिता के सम्मान के प्रति वचनबद्ध रहने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि माननीय अतुल गर्ग जी ने छात्रों को लगातार प्रयत्न? करते रहने की सलाह दी। कार्यक्रम का समापन श्री जितिन कुमार सक्सेना ने सबको धन्यवाद देते हुए किया। यह वार्षिक समारोह न केवल छात्र/ छात्राओं के लिए एक मंच था जबकि अभिभावकों और शिक्षकों के लिए भी एक यादगार अवसर बन गया,जिसने स्कूल के प्रति विश्वास और उत्साह बनाया है। मिशन ग्लोबल अकैडमी के संरक्षक आर के सक्सेना ने सभी छात्र/छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य बी के कश्यप, उप प्रधानाचार्य मोहम्मद मोबीन मलिक, निर्देशक अमित देओल, हरीश कुमार, विपिन सिंह, ऋषभ कुमार, मोहम्मद असलम, रामेंद्र , सत्यपाल ,सूरजपाल, गीता कश्यप, राफिया , सिदरा , मुस्कान,जेबा, शाजिया ,अनामिका सक्सेना, अनम, लता गंगवार, रुचि शर्मा, काजल गंगवार ,नेहा गंगवार एवं आशुतोष वर्मा उपस्थित रहे।

प्रसव पूर्व अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण हुई प्रसूता की मृत्यु, उपचार में नहीं बरती गई लापरवाही

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा/ शिवपुरी, ब्यूरो/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नरवर से जिला चिकित्सालय शिवपुरी में गतदिवस रैफर होकर आई ग्राम नयाविनेगा निवासी श्रीमती केशा आदिवासी पत्नी श्री ओमप्रकाश आदिवासी की प्रसव पूर्व अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण प्रसूता की मृत्यु हुई, प्रसूता के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई।_ सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि भर्ती के समय प्रसूता को अत्यधिक रक्तस्त्राव एवं अत्यधिक खून की कमी (4.8 ग्राम) के कारण प्रसूता को अर्धचैतन्य अवस्था में 80 प्रतिशत ऑक्सीजन के साथ भर्ती किया गया था, तत्पश्चात उपस्थित चिकित्सकों डॉ.निक्की मिश्रा एवं डॉ. नीरजा शर्मा एवं नर्सिंग स्टाफ ने चिकित्सकीय पेशा/प्रोटोकॉल के अनुसार मरीज के रक्तचाप को बढ़ाना, ऑक्सीजन की सप्लाई एवं बहते हुए खून हो रोकने के लिए भरसक प्रयास किये, किन्तु प्रसव पूर्व अत्यधिक रक्तस्त्राव के कारण प्रसूता की मृत्यु हो गई एवं यह सही नहीं है कि उपस्थित चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ के द्वारा श्रीमति केशा आदिवासी का उपचार नहीं किया गया और न यह कि नर्सिंग स्टाफ के द्वारा डांटना/फटकारना जैसा कोई वाक्यान हुआ। साथ ही प्रसूता की लगातार हालत बिगड़ने की वजह पूर्व से ही अत्यधिक रक्तस्त्राव एवं खून की कमी रहा है। यह सही नहीं है कि चिकित्सकों को बुलाना पड़ा, चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ अपनी ड्यूटी पर फ्लोर पर मौजूद थे। प्रसूता के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई। मृत्यु का सही कारण जानने के लिये प्रसूता के पोस्टमार्टम की राय दी गई है। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय शिवपुरी के लेवर रूम में 08 माह के गर्भ के साथ एवं योनि से रक्त बहने के कारण भर्ती किया गया। इस समय प्रसूता के बच्चे की धड़कन नहीं थी एवं अत्यधिक रक्तस्त्राव होने के कारण खून 4.8 ग्राम रह गया था तथा प्रसूता अर्धचैतन्य अवस्था में पहुंच गई थी। जिसका ऑक्सीजन लेबल 80 प्रतिशत रह गया था, तत्काल ड्यूटी पर उपस्थित चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ द्वारा प्रसूता की हालत के विषय में उनके परिजनों श्रीमती महादेवी (भाभी) एवं श्रीमति मीना (माँ) को लिखित तौर पर अवगत कराते हुये, उपचार शुरू किया गया। इस समय प्रसूता का बीपी गिर रहा था। तत्पश्चात ढ्ढ/ङ्क स्न्नद्यह्वद्बस्र देकर बीपी बढ़ाने के प्रयास किये गये एवं आवश्यक दवाएं दी गई। इसके साथ ऑक्सीजन दी गई एवं रक्त रोकने हेतु दवाएं भी दी गई, किन्तु अत्यधिक रक्तस्त्राव एवं खून की कमी (4.8 ग्राम) के कारण प्रसूता की मृत्यु 24 दिसम्?बर को प्रात: 01:30 बजे हो गई और पूर्ण परीक्षण के पश्चात 01:40 बजे पर प्रसूता को मृत घोषित कर दिया गया।

70 साल के जाहिद की शर्मनाक करतूत: छह साल की बच्ची को दुकान में ले गया, फिर गंदी हरकत, सुन लोगों का खून खौला

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में मंगलवार की शाम बैंड बाजे की दुकान में 70 वर्षीय जाहिद ने छह साल की मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। बच्ची ने मां को आपबीती सुनाई तो घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी जाहिद को गिरफ्तार कर लिया है।सिविल लाइंस में रहने वाली पीड़ित बच्ची की मां कांठ रोड स्थित चौराहे के पास फास्ट फूड के ठेले पर काम करती है। कभी कभी उसकी छह साल की बेटी भी उसके साथ ठेले पर आ जाती है। ठेले के पास ही सिविल लाइंस के अगवानपुर तारों वाला कुंआ निवासी जाहिद (70) की पंजाब बैंड नाम से दुकान है।बुधवार शाम करीब चार बजे बच्ची खेलते हुए जाहिद की दुकान के पास पहुंच गई। इसी बीच आरोपी ने बच्ची को दुकान के अंदर बुला लिया और उसके साथ छेड़खानी शुरू कर दी। आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म भी किया। इसी बीच बच्ची दुकान से निकल कर फास्ट फूड की दुकान पर पहुंच गई और अपनी मां को आपबीती सुनाई। ,बच्ची की बात सुनकर उसकी मां और ठेला स्वामी व अन्य ग्राहक व लोग भड़क गए। वह आरोपी की तलाश में दुकान में पहुंचे तो आरोपी मौके से भाग गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मां बेटी को थाने ले गई। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि प्राथमिकी के आधार पर आरोपी जाहिद के खिलाफ छेड़खानी, दुष्कर्म में प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी जाहिद को गिरफ्तार कर लिया

संक्षिप्त समाचार

थाना नरवर पुलिस द्वारा बलात्कार के अपराध में कार्यवाही करते हुए आरोपी संजय कुशवाह को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया।

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा/ शिवपुरी- ब्यूरो। थाना नरवर पर फरियादिया मीना ओढ पत्नी ईदल सिंह ओढ उम्र 40 साल नि. दीनदयालनगर नरवर द्वारा अपनी पुत्री के घर से बिना बताये चले जाने के संबंध में दिनांक 16.11.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी उक्त रिपोर्ट पर से गुमइंसान कायम कर जांच मे लिया गया दौराने जांच गुमशुदा पीडिता को दिनांक 19.12.25 को दस्तयाब किया गया बाद दस्तयाबशुदा पीडिता के कथन के आधार पर दिनांक 19.12.25 आरोपी संजय कुशवाह पुत्र गोविन्ददास कुशवाह उम्र 19 साल नि. पारवाली माता के पास नरवर के खिलाफ अप. क्रं. 277/25 धारा धारा 64 (2) एम, 127(4), 351(3), 87, 115(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के कुशल नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं श्री आयुष जाखड़ एसडीओपी करैरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नरवर श्री विनय यादव व उनकी पुलिस टीम द्वारा प्रकरण के आरोपी संजय कुशवाह पुत्र गोविन्ददास कुशवाह उम्र 19 साल नि. पारवाली माता के पास नरवर को आज दिनांक 25.12.25 को गिरफ्तार कर आरोपी को माननीय न्यायालय करैरा पेश किया गया। सराहनीय कार्यवाही :- निरीक्षक विनय यादव, उनि जूली तोमर, सउनि राधाकृष्ण बंजारा, प्रआर, 201 सुनील भार्गव, प्र.आर. 255 हरिकृष्ण यादव आर. 400 परिमाल आर. 778 रामबीर बघेल, आर. 248 भोला राजावत, आर. 784 गजेन्द्र जाटव आर. 426 नरेन्द्र मोर्य, आर.815 माधी सिह, आर. अवधेश भारद्वाज, आर. गौरव जाट, आर. 684 अजय गुर्जर, आर. 622 दीपक, आर. 248 भोले सिह म.आर. कीर्ति मौर्य की सराहनीय भूमिका रही।

भारत 2026 में बनेगा किम्बर्ली प्रोसेस का अध्यक्ष, जयशंकर बोले- अंतरराष्ट्रीय हीरे व्यापार में बढ़ेगा भरोसा

भारत 2026 में संयुक्त राष्ट्र समर्थित किम्बर्ली प्रोसेस का अध्यक्ष बनने जा रहा है। इस बात को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत का अध्यक्ष बनना देश की हीरे के वैश्विक व्यापार में नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। भारत के लिए साल 2026 कई मायनों में खास रहने वाला है। इसकी शुरुआत तब हो गई जब भारत 2026 से संयुक्त राष्ट्र समर्थित किम्बर्ली प्रोसेस (केपी) का अध्यक्ष चुना गया। ऐसे में अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत का 2026 से संयुक्त राष्ट्र समर्थित किम्बर्ली प्रोसेस (केपी) का अध्यक्ष चुना जाना देश की अंतरराष्ट्रीय हीरे के व्यापार में नेतृत्व क्षमता का संकेत है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि भारत का यूएन-समर्थित किम्बर्ली प्रोसेस का अध्यक्ष चुना जाना खुशी की बात है।उन्होंने आगे कहा कि यह हीरे के व्यापार में भारत की वैश्विक भूमिका और सुधारों के जरिए सहमति बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की आधिकारिक घोषणा के अनुसार, भारत 25 दिसंबर 2025 से उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेगा और 1 जनवरी 2026 से अध्यक्ष बनेगा। यह भारत के लिए किम्बर्ली प्रोसेस में तीसरी बार अध्यक्ष बनने का अवसर होगा।क्या है किम्बर्ली प्रोसेस?- बता दें कि किम्बर्ली प्रोसेस एक तीन-तरफा पहल है जिसमें सरकारें, अंतरराष्ट्रीय हीरे की इंडस्ट्री और सिविल सोसाइटी शामिल हैं। इसका उद्देश्य %संघर्ष हीरे% के व्यापार को रोकना है। संघर्ष हीरे वे हीरे हैं जो विद्रोही समूहों या उनके सहयोगियों द्वारा युद्ध या अस्थिरता को वित्तीय मदद देने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पियूष गोयल ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि भारत का चयन मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय व्यापार में पारदर्शिता और ईमानदारी पर वैश्विक भरोसा दर्शाता है। किम्बर्ली प्रोसेस में भारत की भूमिका- भारत 2026 में किम्बर्ली प्रोसेस (चक्क) का अध्यक्ष बनने के बाद कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें सबसे पहले शासन और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ ही भारत डिजिटल सर्टिफिकेशन और हीरों की ट्रेसबिलिटी को बढ़ावा देगा। ,इसके अलावा, केपी के तहत डेटा आधारित निगरानी के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा, ताकि हीरों के व्यापार में भरोसा मजबूत हो सके। भारत का लक्ष्य यह भी है कि संघर्ष-रहित हीरों में उपभोक्ताओं का विश्वास और बढ़ाया जाए। साथ ही, भारत चक्क को एक और अधिक समावेशी और प्रभावी बहुपक्षीय मंच बनाने की दिशा में काम करेगा, जिससे सभी प्रतिभागियों और पर्यवेक्षकों का भरोसा मजबूत होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से भारत की अंतरराष्ट्रीय हीरे के व्यापार में स्थिति और विश्वसनीयता दोनों बढ़ने की उम्मीद है। 2003 से लागू है किम्बर्ली प्रोसेस सर्टिफिकेशन स्कीम- गौरतलब है कि किम्बर्ली प्रोसेस सर्टिफिकेशन स्कीम (केपीसीएस) 1 जनवरी 2003 से लागू है और यह वैश्विक कच्चे हीरे के व्यापार का 99 प्रतिशत से अधिक नियंत्रित करती है। इसे हीरे के व्यापार का सबसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय तंत्र माना जाता है। वर्तमान में किम्बर्ली प्रोसेस में 60 सदस्य देश शामिल हैं, जिसमें यूरोपीय संघ और इसके सभी सदस्य देश एक साथ गिने जाते हैं।

पत्रकार प्रेस परिषद खटीमा इकाई की हुई महत्वपूर्ण बैठक

राष्ट्रीय सचिव, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी अशोक गुलाटी रहे बतौर मुख्य अतिथि मौजूद

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पत्रकार प्रेस परिषद खटीमा इकाई की बुधवार को लोक निर्माण अतिथि गृह में पत्रकार प्रेस परिषद के राष्ट्रीय सचिव, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी अशोक गुलाटी के मुख्य आतिथ्य में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। वहीं राष्ट्रीय सचिव अशोक गुलाटी के खटीमा पहुंचने पर उपस्थित समस्त पत्रकारों ने फूल मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। वहीं इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ पत्रकार गोरख नाथ ने किया। वहीं खटीमा इकाई के अध्यक्ष विकासशील ने नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें सर्व सहमति से हरप्रीत सिंह को खटीमा इकाई का महासचिव, अमित कुमार को सचिव, मनजीत सिंह को सह सचिव, अरविंद कुमार व नदीम हुसैन को उपाध्यक्ष, नितेश अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, मुकेश गुप्ता तथा सोनिया कुमारी को संरक्षक व ममता शील को प्रचार मंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत करते हुए उनको शुभकामनाएं दी गई। वहीं राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश अध्यक्ष अशोक गुलाटी ने खटीमा के वरिष्ठ पत्रकार विजय कुमार को जिला कार्यकारिणी में जिला सचिव पद पर नियुक्त किए जाने की बात कही।

इस मौके पर नानकमत्ता इकाई के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अनिल सागर, सितारगंज इकाई के अध्यक्ष गुरदीप सिंह, क्राइम उत्तराखंड की संपादक रिंपी, टनकपुर से पहुंचे पत्रकार नवीन भट्ट, अरविंद कुमार तथा ममता शीला आदि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत और सशक्त बनाने की बात कही।

इस मौके पर पत्रकारों की समस्याओं, पत्रकारों की सुरक्षा, पत्रकार हितों, पत्रकारों के उत्पीड़न तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाली तमाम चुनौतियों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया।

इस मौके पर सितारगंज पत्रकार प्रेस परिषद के अध्यक्ष गुरदीप सिंह ने कहा कि पत्रकार जनता और सरकार के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता है। उन्होंने कहा कि समाज के उत्पीड़ित वर्ग को न्याय दिलाने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में भी पत्रकार की एक अहम भूमिका है। उन्होंने स्वच्छ, निष्पक्ष, पारदर्शी, स्वतंत्र और लोकतांत्रिक तरीके से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करते हुए संगठन को मजबूत बनाने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने जरूरत पड़ने पर संगठन को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया।

इसी क्रम में नवनियुक्त अध्यक्ष विकासशील ने आज की बैठक को सफल बनाने हेतु उपस्थित समस्त पत्रकारों को धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। साथ ही उन्होंने विश्वास दिलाया कि पत्रकार प्रेस परिषद खटीमा इकाई को सभी पत्रकार साथियों के सहयोग एवं सुझाव से मजबूत और सशक्त बनाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह हर परिस्थिति में पत्रकार हितों की सुरक्षा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए कृत संकल्प हैं।

वहीं पत्रकार प्रेस परिषद भारत के राष्ट्रीय सचिव, उत्तराखंड प्रदेश के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी अशोक गुलाटी ने बताया कि भारत पत्रकार परिषद खटीमा इकाई की एक महत्व पूर्ण बैठक लोक निर्माण विभाग खटीमा के अतिथि गृह में की गई।

उन्होंने बताया कि खटीमा इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष विकासशील द्वारा खटीमा कार्यकारिणी का गठन कर लिया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों और सदस्यों की घोषणा अध्यक्ष द्वारा कर दी गई है।

इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव गुलाटी ने अपने पत्रकारिता के जीवन के अनुभव, संघर्ष और योगदान को साझा करते हुए सभी पत्रकारों का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि पूर्व कार्यकारिणी के सदस्य ईश्वर सिंह सहित कई सदस्यों ने भी नवगठित कार्यकारिणी को अपना सैद्धांतिक समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा कि 21 जनवरी 2026 को दिल्ली में दो दिवसीय पत्रकार महासम्मेलन होने जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक उपस्थिति दर्ज कराकर सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की।

इस सम्मेलन में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित लगभग आधा दर्जन अन्य विभागों के मंत्री, प्रतिष्ठित साधु संत सहित लगभग 1000 से अधिक पत्रकार साथी में शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकार प्रेस परिषद लगभग 19 राज्यों में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है जिसमें लगभग 20000 से अधिक पत्रकार जुड़कर अपना योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जनवरी माह से पूरे भारत में पत्रकारों हेतु टोल फ्री की पहल चल रही है जिसका निर्णय अंतिम दौर में है।

वहीं जनवरी माह से पत्रकारों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना राहत कोष योजना शुरू किया जा रहा है जिसके तहत कैजुअल्टी की स्थिति में पत्रकारों के पीड़ित परिवारों को राहत राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा चाहे वह इकाई का सदस्य हो अथवा इकाई से बाहर का हो।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पत्रकार प्रेस परिषद अपने संगठन के पत्रकारों की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है।

उन्होंने कहा कि अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनुशासनहीनता करने वालों के लिए संगठन में कोई जगह नहीं है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश में चल रहे पत्रकार परिषद प्रेस परिषद की इकाइयों का कार्य बेहद काबिले तारीफ और गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में पत्रकारों की समस्याओं और उनके हितों को लेकर गंभीरता से मंथन किया गया है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में फर्जी पत्रकारों की आई बाढ़ को भी रोकने के लिए मंथन किया गया है

ताकि पत्रकारिता जगत में निष्पक्ष, स्वच्छ, ईमानदार और जिम्मेदार पत्रकार ही जुड़कर समाज व राष्ट्रहित में अपना योगदान दे सकें।

इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार, नदीम हुसैन, वैभव शील तथा उत्तम कुमार आदि वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह /बहराइच। मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत थाना मटेरा के अंतर्गत ग्राम झालाकला में चौपाल लगाकर थाना मटेरा जनपद बहराइच में उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकरी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1090 ,1098 ,1076, 112 ,181, 108.... Etc व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा सरकारी योजनाएं *जैसे कन्या सुमंगला योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना, आयुष्मान प्रधानमंत्री, उज्जवला योजना . Etc व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी। एंटी रोमियो टीम - उ0नि0 श्री विशाल जायसवाल उ0नि0 श्री शुभ नाथ यादव उ0नि0 श्री सुनील सिंह हे0कां0 दिग्विजय सिंह कां0 इंद्रेश कुमार म0आ0 निधि पासवान

सडीएम नानपारा ने की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

बीएलओ व मतदाता के बीच सेतु की भूमिका का निर्वहन करे बीएलए

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह / बहराइच। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-283 नानपारा से संचालित विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण अभियान अन्तर्गत संचालित गतिविधियों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते हुए बूथवार प्रपत्रों के डिजिटाइज़ेशन एवं एएसडी की जानकारी प्रदान की गई। मोनालिसा जौहरी ने राजनैतिक दलों से अपेक्षा की कि नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में बूथ लेबिल एजेन्टों प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के लिए जागरूक करें ताकि नो मैपिंग व अनकलेक्टिव मतदाताओं तक बूथ लेकिल अधिकारियों की पहुंच आसान हो सके। उन्होंने कहा कि बीएलओ व मतदाता के बीच बीएलए द्वारा सेतु की भूमिका निर्वहन करने से शत-प्रतिशत मतदाताओं का प्रपत्र भरवाने में आसानी होगी। उपजिलाधिकारी ने बताया कि आयोग द्वारा निर्गत संशोधित समयसारिण के अनुसार अब 26 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर एएसडी मतदाताओं का सत्यापन किया जायेगा। एसडीएम ने राजनैतिक दलों से कहा कि जिन बूथों पर बीएलए नियुक्त नहीं है वहां पर भी बीएलए को नामित करते हुए उन्हें शत-प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्र जमा कराने हेतु बीएलओ को सक्रिय सहयोग देने हेतु निर्देशित कर दिया जाय। उन्होंने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से कहा कि आप लोग भी मतदाताओं को इस बात के लिए प्रेरित करें कि अन्तिम तिथि का इन्तज़ार किये बगैर अपने प्रपत्र जल्द से जल्द भर कर बीएलओ को सौंप दें।

बैठक के माध्यम से श्रीमती जौहरी ने सभी नगर व ग्रामवासियों से अपील की कि स्वयं तथा अपने परिवार के गणना प्रपत्र भर कर बीएलओ को उपलब्ध कराने के साथ-साथ मतदाताओं विशेषकर नो मैपिंग व अनकलेक्टिव मतदाता तक पहुंचने में बीएलओ को सहयोग कर इस राष्ट्रीय अभियान में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने बताया कि सभी बूथों पर बीएलओ को तैनात किया गया है। ऐसे कहा कि यदि किसी मतदाता द्वारा अभी तक गणना प्रपत्र बीएलओ को नहीं दिया गया है, अथवा उन्हें प्रपत्र नहीं प्राप्त हुआ है या गुम हो गया है तो ऐसे मतदाता अपने बीएलओ एवं तहसील में संपर्क करके फॉर्म जमा कर सकते है।

इस अवसर पर भाजपा से आशीष पाण्डेय व समाजवादी पार्टी से अयोध्या प्रसाद सोनी, बसपा से देशराज सोनकर, अपना दल से प्रमोद कुमार वर्मा,तहसीलदार नानपारा, खंड विकास अधिकारी नवाबगंज व शिवपुर, खंड शिक्षा अधिकारी नवाबगंज सहित अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्रओं को चौपाल के माध्यम से किया जागरूकता

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने हेतु संचालित मिशन शक्ति 50 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के कुशल निर्देशन में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जनपद के सभी थाना कोतवाली मिनगा, सिरसिया, मल्हीपुर, हरदत्तनगर मिरंट, सोनवा, गिलौला, इकौना, नवीन मॉडर्न, महिला थाना एवं शक्ति मोबाइल टीम ने स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों व ग्राम पंचायतों में पहुँचकर महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, सहायता तंत्रों और सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। अभियान का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं में सुरक्षा और आत्मविश्वास बढ़ाना। उन्हें हेल्पलाइन नंबरों और मिशन शक्ति केंद्रों से जोड़ना। कम्युनिटी बेरुड़ पुलिसिंग को सशक्त कर सुरक्षित व विश्वसनीय वातावरण तैयार करना। साइबर अपराध, यौन उत्पीड़न व घरेलू हिंसा की रोकथाम हेतु प्रिवेटिव अवेयरनेस विकसित करना रहा। श्रावस्ती पुलिस का प्रयास है कि जनपद की कोई भी महिला या बालिका अपने अधिकारों से अनभिज्ञ न रहे और आवश्यकता पड़ने पर यह तत्काल, सुरक्षित एवं प्रभावी सहायता प्राप्त कर सके। यह अभियान न केवल महिलाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा भावना बढ़ाने की दिशा में सार्थक कदम है. बल्कि लैंगिक समानता पुलिस जनसंपर्क और समुदाय आधारित पुलिसिंग की भी मजबूत करता है।

शीतलहर के दृष्टिगत एसडीएम नानपारा ने पुनः किया रैन बसेरा व अलाव का निरीक्षण

कोई भी व्यक्ति बाहर खुले में नही सोएगा :- मोनालिसा जौहरी एसडीएम नानपारा

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह /बहराइच। जिलाधिकारी बहराइच श्री अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर आज रविवार को नानपारा उपजिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी ने बढ़ती शीतलहर के दृष्टिगत देर रात नगर पालिका नानपारा/नगर पंचायत रुपईडीहा में बने रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण में पर्याप्त संख्या में बेड, कंबल, स्वच्छ एवं सुरक्षित, सोने की व्यवस्था रात्रि में प्रकाश एवं ताप व्यवस्था स्वच्छ पेयजल शौचालय एवं साफ सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई।

इस दौरान एसडीएम ने सभी चिन्हित स्थानों पर जल रहे अलावो का भी नायब तहसीलदार बलहा हर्षित पांडेय व अधिशासी अधिकारी नानपारा के साथ निरीक्षण किया इस दौरान एसडीएम ने अलाव पर उपस्थित व्यक्तिओ से भी वार्ता की जिस पर उपस्थित लोगों ने बताया कि प्रतिदिन अलाव समय से जला दिए जाते हैं

एसडीएम नानपारा को निरीक्षण के समय समस्त स्थानों पर अलाव जलते मिले। एसडीएम ने अधिशासी अधिकारी/तहसीलदार नानपारा को प्रतिदिन समय से अलाव जलवाने के निर्देश दिए तथा किसी भी व्यक्ति को ठंड में किसी भी तरह की कोई परेशानी ना हो।

एसडीएम ने ईओ को निर्देश दिए की शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए अतिरिक्त कंबल, गद्दा, तकिया, चादर, बिस्तर, रूम हीटर, फोल्डिंग एवं गर्माहट से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण रूप सुनिश्चित कर लें उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए की रात्रि में सभी अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण करें और यदि खुले में सो रहा कोई व्यक्ति मिल जाये तो उनको तत्काल जागरुक कर सम्मानपूर्वक रैन बसेरा में पहुंचाया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड से प्रभावित न हो।

एसडीएम ने बताया कि आज उनके द्वारा रैन बसेरा और अलाव का निरीक्षण किया गया है रेन बसेरा में सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि रैन बसेरे का और व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए रोडवेज पर रेलवे स्टेशन पर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर व बैनर भी लगवाए जाए ताकि लोगों को पता चल सके कि रैन बसेरा नगर पालिका परिषद नानपारा में बना हुआ है और कोई भी व्यक्ति यहां रात्रि में आकर आराम से सो सकता है रह सकता है।

इसी के साथ एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी ने थानाध्यक्ष नानपारा, रुपईडीहा मटेरा नवाबगंज रिसिया व खैरीघाट को भी निर्देशित किया है कि आप लोग भी रात्रि में गश्त के दौरान यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति बाहर ठंड में सोता हुआ ना मिले यदि किसी भी पुलिस कर्मी को कोई भी व्यक्ति बाहर सोता हुआ या बैठा हुआ मिले तो सम्मानपूर्वक उसको नजदीकी रैन बसेरा में स्वयं पहुंचाएं और इसकी जानकारी तत्काल संबंधित नगर पालिका/पंचायत के ईओ को अथवा तहसील प्रशासन को उपलब्ध करा दे। एसडीएम ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नानपारा/नबाबगंज को भी निर्देशित किया कि वह अपने स्तर से एक डॉक्टर की ड्यूटी रैन बसेरे पर लगा दें जोकि प्रतिदिन रात्रि में रेन बसेरे में रुके हुए व्यक्ति का स्वास्थ्य परीक्षण करके आवश्यक चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराए। एसडीएम ने कहा कि तहसील प्रशासन सभी के लिए 24 घंटे तत्पर तैयार है किसी को भी किसी भी स्तर पर कोई भी समस्या नहीं होने दी जाएगी कोई भी ठंड में बाहर नहीं सोएगा रैन बसेरे में रुकने वाले व्यक्ति का का स्वास्थ्य परीक्षण /चिकित्सा उपचार भी कराया जाएगा। आमजन के लिए रेन बसेरों की सुविधा -निरीक्षण के दौरान एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने आमजन से भी अपील की कि जो भी व्यक्ति रात्रि में खुले स्थानों, सड़कों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर ठंड से प्रभावित स्थिति में मिले, उसकी सूचना तत्काल नगर पालिका/पंचायत/पुलिस कंट्रोल रूम अथवा तहसील प्रशासन को दें, ताकि उसे सुरक्षित रेन बसेरे में पहुँचाया जा सके। उन्होंने कहा कि रेन बसेरे सभी निराश्रित, बेसहारा एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए पूर्णत: नि:शुल्क हैं तथा इनमें रहने, सोने और ठंड से बचाव की सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गयी है। साथ ही चिकित्सा उपचार हेतु हमारे चिकित्सक भी रेन बसेरा में आने वाले व्यक्ति का चिकित्सीय परीक्षण कर निःशुल्क उपचार भी कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के 52वें स्थापना दिवस को हर्षोल्लाश पूर्वक मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल श्रावस्ती में उद्योग व्यापार मंडल के 52 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले के साथ साथ जनपद

के सभी नगर कस्बों में व्यापार मंडल के समस्त व्यापारियों पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस को हर्षोल्लाश के साथ मनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष के आवाहन पर जिला अध्यक्ष श्रावस्ती दीनानाथ गुप्ता के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जिसकी स्थापना 1973 को वाराणसी के मां गंगा के पावन तट पर श्रद्धेय स्वर्गीय विशंभर दयाल एवं पंडित स्वर्गीय श्याम बिहारी मिश्र द्वारा की गई थी। उद्योग व्यापार मंडल बीरगंज में जिला मंत्री संतोष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में व्यापार मंडल अध्यक्ष नंदकुमार गुप्ता सहित व्यापारियों द्वारा स्थापना दिवस को बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान अशोक कुमार गुप्ता, सुरेश कसौधन, भरत किशोर गुप्ता, पिंकू गुप्ता, प्रमोद कुमार गुप्ता, पप्पू गुप्ता, सनी गुप्ता, बिंदेश्वरी प्रसाद, हीरालाल, मोहम्मद शाहिद, शिवांकर, शिवा गुप्ता, राजा गुप्ता आदि मौजूद रहे। एडी क्रम में स्थापना दिवस को लेकर जनपद के भिनगा नगर अध्यक्ष प्रमोद कुमार गुप्ता, गिलौला, इकौना, सिरसिया, नासिर गंज, हरदत नगर गिरन्ट, जमुनहा बाजार, बदला चौराहा तथा बीरगंज बाजार में व्यापारियों / पदाधिकारियों द्वारा सर्व प्रथम श्रद्धेय स्वर्गीय विशंभर दयाल एवं पंडित स्वर्गीय श्याम बिहारी मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित की गई साथ ही उनके कृत्यों को नमन करते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के उद्देश्य को शतप्रतिशत पूरा करने की शपथ ली।

एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी की संवेदनशील पहल: सड़क सुरक्षा को लेकर चीनी मिल पहुंचकर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों व वाहनों पर लगवाया रेडियम/ रिफ्लेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह /नानपारा (बहराइच) ।उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी ने सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक सराहनीय एवं जनहितकारी अभियान चलाया। शीतकालीन के दौरान गन्ना ढुलाई में लगे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों एवं अन्य वाहनों के से कोई सड़क दुर्घटना ना हो इसके लिए एसडीएम ने आज स्वयं संज्ञान लिया और एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी के निर्देशन में आज प्रात: 10 बजे सभी प्रशासनिक टीम ने श्रावस्ती चीनी मिल परिसर नानपारा में पहुंचकर गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों सहित अन्य वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगवाने का कार्य कराया। इस पहल का उद्देश्य रात्रि के समय एवं कोहरे में वाहनों की स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित कर दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना है।

एसडीएम ने मौके पर उपस्थित वाहन चालकों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन हर हाल में किया जाए। उन्होंने कहा कि जन-धन की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अभियान से वाहन चालकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की इस त्वरित एवं दूरदर्शी कार्रवाई की खुले दिल से सराहना की है। लोगों का कहना है कि एसडीएम नानपारा की यह पहल न केवल दुर्घटनाओं को कम करेगी बल्कि सड़क सुरक्षा को लेकर एक मजबूत संदेश भी देगी ।एसडीएम नानपारा की इस सक्रियता से यह स्पष्ट हो गया है कि नानपारा में एसडीएम मोनालिसा जौहरी कानून-व्यवस्था ही नहीं बल्कि जनसुरक्षा और जनहित के मामलों में भी पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है। इस अभियान के दौरान श्रावस्ती चीनी मिल के प्रबंधक महेश कैथल, सी.ओ. नानपारा पहुँप सिंह, जिला गन्ना अधिकारी बहराइच व मिल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

आपसी विवाद में अवैध तमंचे से जानलेवा फायरिंग करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, तमंचा बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना प्रभारी परमानन्द तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 335/2025 धारा 109(1),352.351 (3) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्त अभिषेक सिंह भदौरिया उर्फ नटवर सिंह पुत्र बैजनाथ निवासी इकौना वाइपास जनता धर्म काटा थाना इकौना को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। वादी मुकदमा आर्यन पाण्डेय ग्राम भाभेपारा दा0 इटवरिया को विपक्षी चन्द्र जीत यादव पुत्र मगलेसर यादव ग्राम बरई पुरवा इकौना ने फोन पर माली गुप्ता व जान से मारने की धमकी दी जिस पर वादी मुकदमा आर्यन पाण्डेय द्वारा फोन पर गाली देने से मना किया गया तथा कहा गया कि सामने आकर गाली दो तब देखो क्या होता है उसी बात को विपक्षीगण चन्द्रजीत यादव पुत्र मगलेसर यादव ग्राम बरईपुर, अजय शुक्ल पुत्र अज्ञात ग्राम सलवरिया रानी कुण्डा, अभिषेक सिंह भदैरिया उर्फ नटवर सिंह पुत्र बैजनाथ द्वारा गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी गयी एंव विपक्षी अभिषेक सिंह भदौरिया उर्फ नटवर द्वारा अपने पास रखी अवैध तमंचा से जान से मारने की नियत से आर्यन पाण्डेय के ऊपर फायर कर दिया। जिसके सम्बन्ध में वादी मुकदमा द्वारा थाना स्थानीय पर एक लिखित तहरीर दिया गया जिसके आधार पर थाना इकौना पर म0 अ0स0 335/2025 धारा 109(1),352,351 (3) बीएनएस पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना के सम्बन्ध में पतारसी सुरागरसी की जा रही थी इस दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अभिषेक सिंह भदौरिया उर्फ नटवर की गिरफ्तारी कर घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा 315 बौर व एक खोखा कारतूस 315 बोर की बरामदगी की गयी। बरामदगी होने के आधार पर अभियोग उपरोक्त में 3/25 शस्त्र अधिनियम की बढ़ोत्तरी की गयी।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती ।मल्हीपुर जमुनहा मार्ग पर गंगापुर के पास देर रात घने कोहरे के कारण एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान ननकू (32) पुत्र छोटे आर्या निवासी खम्हरिया थाना मल्हीपुर के रूप में हुई है। लोगों सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में भर्ती कराया गया।

Prada's 'Kolhapuri' and a 3.5 million-dollar 'handbag' embroiled many of the world's leading fashion brands in controversy this year.

2025 was the year when the world's most expensive and luxury fashion brands utilized Indian culture extensively, but with extreme carelessness. From the runways of Milan to the studios of Paris, several major brands faced serious allegations of design theft, erasing Indian cultural identity, and failing to credit the original artists. Let's explore how these controversies unfolded in the fashion world in 2025. Prada's Kolhapuri sandals sparked a major controversy; Louis Vuitton's auto-rickshaw bag sparked a flood of memes - designer Anupama Dayal's fight against design theft. In 2025, several cases emerged, such as Prada's Kolhapuri sandals and Louis Vuitton's auto-rickshaw bag, where major fashion brands were accused of appropriating Indian culture without giving them credit. Cases like Dior's Lucknowi embroidered coat and dupatta being sold as 'Scandinavian scarves' also gained significant attention. Let's explore some of these major issues in detail. The Prada and Kolhapuri Chappal Controversy: A major controversy erupted in June when the renowned brand Prada introduced its new sandals at Milan Fashion Week. These sandals looked exactly like our Kolhapuri chappals. Surprisingly, they were priced at over ?1.2 lakh, but there was no mention of Kolhapuri crafts or India. Indian artisans and social media users immediately criticized the brand, claiming that Prada was simply selling off centuries-old heritage by slapping its own label on them. Following widespread protests, Prada wrote a letter to the Maharashtra Chamber of Commerce, admitting that its designs were inspired by "traditional Indian handmade shoes." However, criticism continued for its delayed response and lack of direct benefit to local artisans. Louis Vuitton's ?3.5 million 'auto-rickshaw' bag - The Prada controversy hadn't even settled down when, in July, Louis Vuitton introduced a bag that would become a topic of discussion for the entire year. It was a handbag shaped like an 'auto-rickshaw' and priced at ?3.5 million. It was designed for the Men's Spring/Summer 2026 collection under the direction of Pharrell Williams. As soon as pictures of it surfaced, memes flooded the internet. People questioned whether this was a tribute to Indian street culture or a costly joke without any cultural understanding. Dior's ?16 million coat and Lucknowi craftsmanship - In June, Christian Dior also faced trouble. During a show in Paris, Dior presented an extravagant overcoat costing ?16 million. The coat featured heavy embroidery in Lucknow's famous 'Mukesh work.' The coat went viral, but for the wrong reasons. The problem was that Dior didn't mention the technique, its origins, or the Indian artisans who created it. The uncredited presentation of Indian art at a show attended by stars like Rihanna and Daniel Craig didn't sit well with people. Dupattas became "Scandinavian scarves"—not just major brands, but foreign influencers also tried to rebrand Indian items and pass them off as their own. In a bizarre trend, ordinary Indian dupattas were being sold online as "Scandinavian scarves." This was touted as Europe's new "minimalist" fashion. Indian users ridiculed this trend. Furthermore, sari blouses were being sold as "Ibiza summer tops" and kurtis as "strappy dresses." Indians reminded on social media that what they were calling a "new trend" had existed in India for hundreds of years. Battle of small designers—Anupama Dayal vs. Rhapsodia—At the beginning of the year, Delhi-based designer Anupama Dayal had to fight a major battle. The Argentinian fashion brand "Rhapsodia" was accused of copying their designs. The controversy began when a representative from the brand visited Dayal's studio, and shortly thereafter, similar designs began appearing on the brand's social media. When Dayal contacted them, the brand demanded proof. Anupama Dayal filed a legal notice against the incident, stating that while she was shaken by the incident, it also proves the struggle independent designers face to protect their art. Dolce & Gabbana and Kashmiri Carvings: In August 2025, during their show in Italy, Dolce & Gabbana showcased a bag that resembled a wooden jewelry box. The design resembled "Jandankari," a walnut wood carving practiced in Kashmir and Saharanpur, Uttar Pradesh. As usual, no credit was given to the original craft or location. Giving credit is not 'optional' - The year 2025 can be considered a 'tipping point' in the fashion world. This year, Indian consumers and designers did not remain silent. They sent a clear message to the world that Indian art is vast and rich, and it is an income for the communities that create it. In this age of social media, where theft is often detected, global fashion brands must now accept that while it is okay to take inspiration from Indian art, giving credit is no longer a matter of choice, but a requirement.

Why go abroad? Lakshadweep offers Maldives-like experiences, learn about the budget and the right time to visit.

There's no need to travel abroad! Lakshadweep offers a Maldives-like experience, within your budget. Its natural beauty and serene atmosphere are a great attraction for tourists. Find out about the best time to visit Lakshadweep and its budget so you can make your trip memorable. Lakshadweep has a controlled tourism model. The best time to visit is from October to March. Flights are available from Kochi to Agatti Island. Travel enthusiasts often plan to travel abroad first. However, our country is no less beautiful. There are many places here that make you feel like you're abroad. Lakshadweep is one such place. This isn't a place where you can enjoy a leisurely beach vacation. It's a tourist destination where permits, fixed transportation schedules, and weather are of paramount importance. Therefore, it is important to have proper information about the necessary things before planning a trip here and to have a proper planning for the trip. Let us tell you some important things related to visiting Lakshadweep - Why is Lakshadweep special? - Lakshadweep is very special in many ways. A controlled model of tourism has been adopted here. The number of tourists is limited, nightlife is very less and the islands give priority to conservation rather than size. Due to these rules, there are calm beaches, clean water and a strong balance between tourism and local life. What makes Lakshadweep special: White sand and clear waters, less crowded beaches, well-preserved coral reefs, and rich marine life. Beautiful evenings with the setting sun. Activities like snorkeling, scuba diving, kayaking, and glass-bottom boat rides. Local culture and hospitality are sure to win the day. Best Time to Visit Lakshadweep: When to Plan a Trip Place? Knowing the weather is essential. Especially before traveling to Lakshadweep, it's important to know the best time to visit. Let's find out when to visit Lakshadweep: October to March is the best time to visit Lakshadweep. Pleasant weather, calm seas, and reliable transportation make it an ideal destination for first-time visitors and water sports enthusiasts. April and May are the warmer months, with fewer tourists. This time is perfect for travelers who can tolerate the heat and those seeking a quiet island getaway. June to September – This is the monsoon season, and visiting Lakshadweep during this time can be a terrible decision. Heavy rains often disrupt ship services and outdoor activities, making travel during these months undesirable. How to Reach Lakshadweep and How Much Will the Fare Cost You have several options for getting there. You can fly from Kochi to Agatti Island, Lakshadweep's only airport. Return fares typically range from ?15,000 to ?25,000, depending on the season and availability. Passenger ships also operate from Kochi, taking 14 to 20 hours. Ship tickets typically cost between ?2,500 and ?5,000 for a one-way trip.

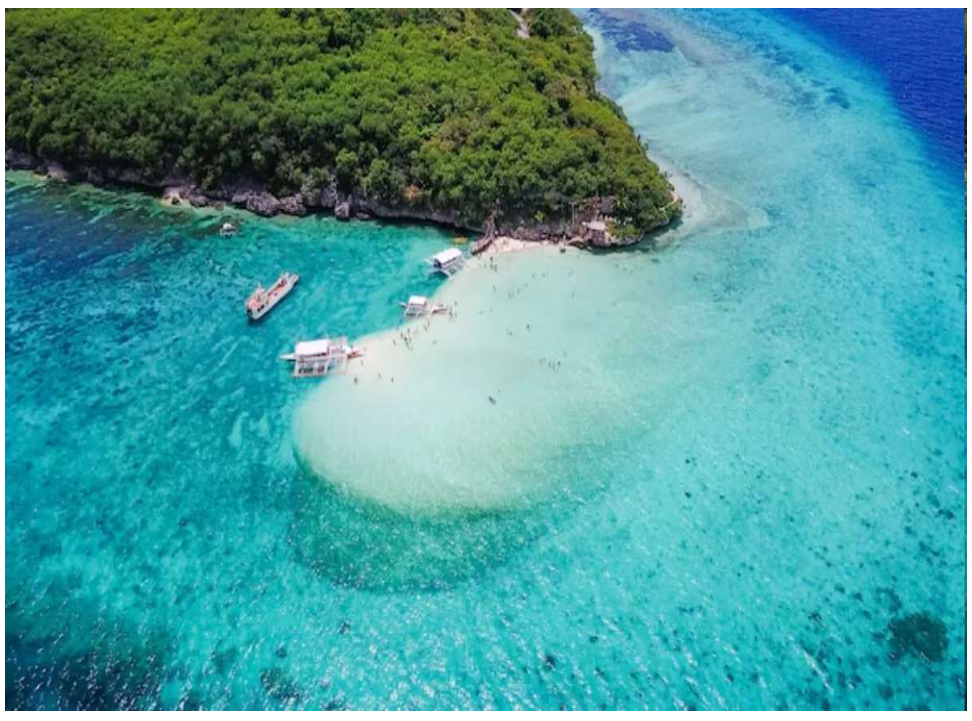

What is India's new "Battlefield Tourism" mission, where you can learn more about the country's military history?

The Indian government has launched a new initiative called "Battlefield Tourism," which aims to familiarize citizens with the country's military history. Under this program, people will be able to visit various battlefields and learn about India's military campaigns and sacrifices. This initiative is an effort to foster patriotism and increase awareness of military history. An opportunity to see India's military history up close; A chance to visit various battlefields; An initiative to foster patriotism. Have you ever imagined that tourists will now experience history up close in the mountains and deserts where cannons once roared? Indeed, a new chapter in tourism has begun in India, called "Battlefield Tourism." New government initiatives now allow civilians to visit sites previously reserved only for the military. A major step in this direction was taken on December 15, 2025, when the state of Sikkim formally opened high-altitude passes like Cho La and Dok La to tourists. Located at altitudes of over 15,000 feet, these locations have historically been extremely sensitive. The decision to open these border areas demonstrates India's commitment to viewing these security zones not simply as "borders" but as landscapes of "national memory." The aim is to familiarize people with the country's military history, develop infrastructure in remote areas, and create employment opportunities for locals. What exactly is "battlefield tourism"? Battlefield tourism refers to visiting places associated with war or conflict. This includes battlefields, memorials, cemeteries, forts, museums, and even army forward posts. People come here for different reasons: Curiosity and knowledge: Students, researchers, and history lovers come here to learn. Tribute: Families of martyrs or ordinary citizens who want to pay homage to the sacrifices made for the country. Adventure: Some people come to experience history as well as the thrill of these remote places (such as high mountains or deserts). India's major battle sites that are now tourist destinations India's military history is very old and diverse. It includes medieval forts like Panipat and Haldighati, colonial sites like Plassey and Buxar, World War II fronts in Northeast India, and modern battlefields like Kargil. Here are some major places you can visit: Longewala War Memorial (Rajasthan): Located near the Pakistan border in the Thar Desert, Longewala bears witness to the historic victory of the 1971 war. There is a museum here where you can see military equipment and tanks used in the war. This place tells the full story of that decisive battle. Kargil War Memorial, Dras (Ladakh): This is one of India's most famous modern war memorials. It commemorates the soldiers who died in the 1999 Kargil War. A visit to this monument, nestled among the lofty mountains, gives you a sense of the difficult conditions our soldiers fought in. Kohima War Cemetery (Nagaland) - It holds memories of World War II. Its terraced graves and tranquil atmosphere make it a deeply moving place. It is an internationally recognized site, visited by people seeking peace and contemplation. High-altitude Himalayan war zones: Recently, the government has begun opening some high-altitude areas associated with post-independence conflicts to civilians, under strict regulations. Keep these things in mind: War zones are not "theme parks." When traveling here, you should keep a few things in mind: Special permission is often required to visit border areas. Don't venture anywhere without information. Join a local guide or an army-led tour to learn the true history and adhere to safety regulations. Maintain silence at the memorials and exercise restraint when taking photographs. This site honors the fallen. These locations are often very remote, with limited network and medical facilities. Therefore, plan your travel and weather plans in advance. When traveled wisely, battlefield tourism allows us to experience history firsthand, rather than simply reading about it in books.

Avatar 3's momentum continues in India, with this much money coming in on Day 5

Hollywood filmmaker James Cameron's latest film, Avatar 3: Fire and Ashes, is currently in theaters. Avatar 3 is also enjoying impressive box office collections in India. Avatar 3: Fire and Ashes continues its impressive run at the box office - On Day 5, Avatar 3 earned this much.

The third installment of the Avatar film, Avatar 3: Fire and Ashes, is performing well in Indian theaters. Director James Cameron's science fiction adventure thriller has already made its mark at the box office, earning a staggering amount. After a strong opening weekend, Avatar 3: Fire and Ashes also achieved impressive collections on weekdays. This can be easily gauged by the film's fifth day earnings. Avatar 3: Fire and Ashes Day 5 Earnings - Avatar 3: Fire and Ashes was released worldwide on Friday, December 19th. In India, audiences are experiencing tremendous excitement for the film. Huge crowds are flocking to theaters to watch it. Furthermore, the positive response from Indian critics is being considered a major reason for Avatar 3's impressive commercial performance in the country. Considering Avatar 3: Fire and Ash's fifth-day box office collection, according to a report by SacNilk, the film earned approximately ?10 crore (approximately $1.2 billion) in India on Tuesday, an increase from Monday's total. Looking at these earnings, it's clear that Indian audiences are completely enamored with Avatar 3: Fire and Ash. With Tuesday's earnings included, Avatar 3: Fire and Ash's net box office collection has now reached ?86 crore (approximately $1.2 billion). It's believed that the film will reach the ?100 crore (approximately $1.2 billion) mark in the coming days. Overall, Avatar 3 is truly performing well, both in theaters and at the box office. Avatar 3: The Dhurandhar currently holds its own at the box office, surpassing the 600 crore mark. Ranveer Singh's Avatar 3: Fire and Ashes is also standing tall against this tsunami, with its lost earnings paying off.

Akshay Kumar's sister steals the limelight, daughter debuts with Amitabh's grandson

Bollywood star Akshay Kumar arrived at the screening of "Ekkis" with his sister, Alka Bhatia. The brother-sister duo, posing for the media, stole the spotlight. Akshay Kumar arrived at the premiere of "Ekkis" with his sister. The Khiladi's sister stole the limelight - daughter Simar is making her debut with Agastya Nanda.

Bollywood actor Akshay Kumar arrived at the special screening of "Ekkis" with Agastya Nanda and Simar Bhatia in a simple attire with his sister, Alka Bhatia. The brother-sister duo was seen arriving together, and their easygoing friendship and unpretentious presence at this film industry gathering immediately caught everyone's attention. Akshay and Alka set sibling goals - Akshay opted for a casual yet stylish look, wearing denim with a blue striped shirt, showcasing his renowned simple style. Alka Bhatia also complemented him effortlessly, choosing a soft, elegant outfit that many on social media immediately praised. Videos and photos from the screening soon began circulating online, with fans calling the moment sibling goals and praising the actor's public appearance with a family member. The brother-sister moment is viral on social media. What caught the attention the most was Akshay and Alka's confidence in interacting with photographers and guests. There were no artificial poses or dramatic gestures, just a brother and sister supporting each other on an important evening. Akshay interacted with the paparazzi before leaving for the premiere, while Alka stood beside him, smiling and calm. The simplicity of the moment touched fans, who often see the actor in larger-than-life roles on screen. Alka Bhatia, a producer and a key player in Akshay Kumar's personal and professional life, mostly stays out of the limelight. Therefore, her presence at the screening of "Ekkis" added a personal touch to the event, reminding the audience of the strong support system behind one of Bollywood's most trusted stars. Comments on social media quickly erupted with comparisons, compliments, and loving messages, with many praising the brother-sister relationship and its simplicity and beauty. While many prominent figures from the industry were present at the screening, Akshay's presence with his sister made the evening special. Agastya Nanda plays a key role in "Ekkis," alongside Simar Bhatia, Akshay's niece.

"Free promotion..." Dhurandhar's "Donga" gives a befitting reply to Dhruv Rathee, who called the film propaganda.

Aditya Dhar's "Dhurandhar" is creating a stir in India and abroad. The film is also performing exceptionally well at the box office. Meanwhile, some people are calling the film propaganda, one of whom is Dhruv Rathee. Now, Naveen Kaushik, who played the role of "Donga" in "Dhurandhar," has reacted to this. Dhurandhar's "Donga" gives a befitting reply to Dhruv Rathee. YouTuber called the film propaganda.

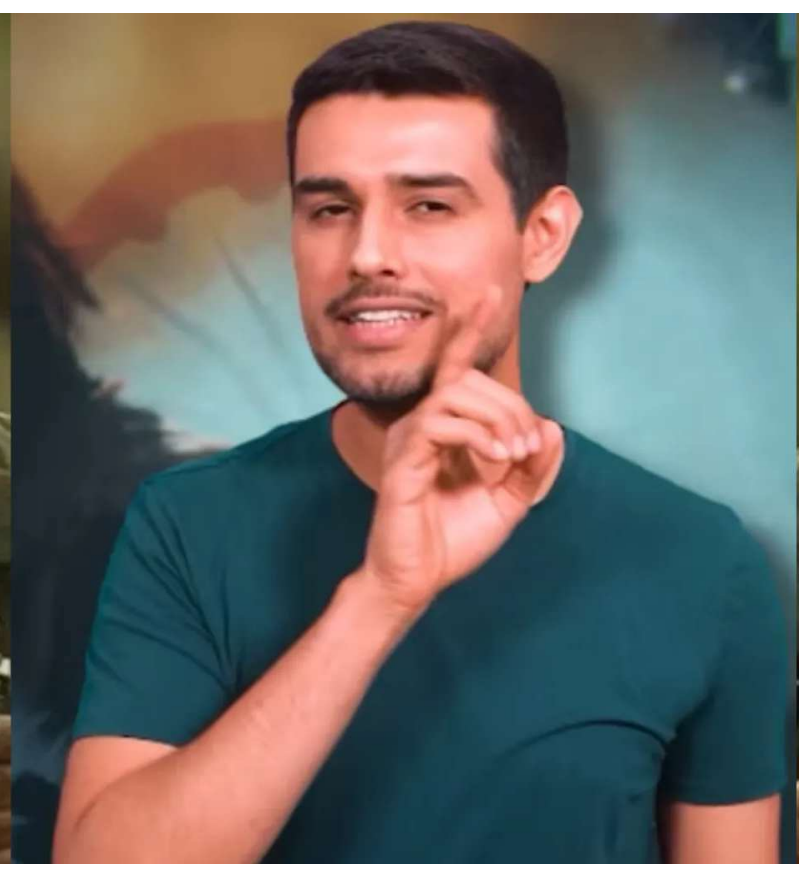

Dhurandhar, which released in theaters on December 5th, is receiving considerable praise and is also making good money at the box office. Meanwhile, there is another group who are calling the film propaganda. One of these names includes YouTuber Dhruv Rathee, who recently made a video on the film and called it propaganda. Naveen Kaushik's response to Dhruv Rathee - In an exclusive interview with Jagran New Media, Naveen Kaushik, who played Donga in Dhurandhar, responded to the situation. When asked what he would like to say on this, he said, "Everyone has their own opinion, and he too has his own, which we have no problem with. We're still getting viewers after his video, in fact, we're getting more. So, if the film benefits, what difference does the publicity make, good or bad? His video has already received 15 million views, so I would say, welcome Dhruv Rathee, your opinion has definitely benefited us." What kind of character does Naveen want to play after Donga? Naveen's character of Donga in Dhurandhar was also well-received. When asked what kind of film or role he wants to do now, he said that he likes murder mystery or mystery thriller genre very much, so he would like to do that. Dhurandhar was released in theatres on 5th December and is making a splash at the box office every day. Dhurandhar has earned Rs 900 crore worldwide and is about to reach Rs 1000 crore mark. Actors like Ranveer Singh, Akshay Khanna, Arjun Rampal, R Madhavan, Sara Arjun, Danish Pandor and Naveen Kaushik have worked in it.